● वर्ष-3
● अंक-133
रायपुर, शुक्रवार
12 जनवरी 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› सेलिब्रिटीज जैसे वाइब्रेंट...

स्वच्छ सर्वेक्षण में राज्य के साथ ही पांच नगरीय निकायों को भी मिला पुरस्कार

छत्तीसगढ़ देश का तीसरा सबसे स्वच्छ राज्य

राष्ट्रपति के हाथों मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री ने ग्रहण किया पुरस्कार

रायपुर। छत्तीसगढ़ देश का तीसरा सबसे स्वच्छ राज्य बन गया है। केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में छत्तीसगढ़ को महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के बाद देश के तीसरे सबसे साफ-सुथरे राज्य का दर्जा मिला है। प्रदेश की इस उपलब्धि के लिए राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम कन्वेन्शन सेंटर में आयोजित समारोह में पुरस्कृत किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरूण साव ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी, सचिव श्री मनोज जोशी और स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) की निदेशक श्रीमती रूपा मिश्रा भी समारोह में शामिल हुईं। स्वच्छ सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राज्य के पांच नगरीय निकायों रायपुर, महासमुंद, कुम्हारी, आरंग और पाटन को भी समारोह में पुरस्कृत किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने प्रदेश और नगरीय निकायों की इस उपलब्धि पर संबंधित निकायों के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, समन्वयकों तथा स्वच्छता दीदियों को बधाई और शभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि इनके उत्कृष्ट कार्यों के कारण आज प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित होने का मौका मिला है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य के शहरों को साफ-सुथरा एवं कचरामुक्त रखने के लिए ये आगे भी अपने बेहतरीन कार्यों को जारी रखेंगे और अन्य नगरीय निकायों के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगे। शहरों को स्वच्छ रखने प्रदेश में हो रहे लगातार अच्छे कार्यों के कारण छत्तीसगढ़ को देश के तीसरे सबसे स्वच्छ राज्य का दर्जा मिला है। स्वच्छ सर्वेक्षण के परिणामों के मुताबिक गारबेज फ्री सिटी के अंतर्गत प्रदेश के दो शहरों को फाइव स्टार रेटिंग, 23 शहरों को थ्री स्टार रेटिंग और 47 शहरों को सिंगल स्टार रेटिंग मिला है। राज्य में ओडीफ प्लस प्लस वाले 164, ओडीफ प्लस वाला एक और ओडीएफ वाले तीन शहर हैं। प्रदेश के एक नगरीय निकाय को वाटर प्लस का दर्जा मिला है। महासमुंद नगर पालिका को पूर्वी जोन में 50 हजार से एक लाख तक की आबादी वाले शहरों की श्रेणी में सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार मिला है। देश के पूर्वी जोन में कुम्हारी नगर पालिका को 25 हजार से 50 हजार तक की आबादी वाले शहरों की श्रेणी में और आरंग नगर पालिका को 15 हजार से 25 हजार तक की आबादी वाले शहरों की श्रेणी में सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार मिला है। पाटन नगर पंचायत को एक लाख से कम आबादी वाले शहरों में देश के दूसरे सर्वाधिक स्वच्छ शहर के लिए पुरस्कृत किया गया है। ओडीएफ प्लस प्लस का दर्जा प्राप्त पाटन को गारबेज फ्री सिटी में फाइव स्टार रैंकिंग मिला है। सर्वे में रायपुर नगर निगम को एक लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहरों में प्रदेश का सबसे स्वच्छ शहर चुना गया है। गारबेज फ्री सिटी में रायपुर को फाइव स्टार रेटिंग प्राप्त हुआ है।

राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह -खुफिया एजेंसियों ने आतंकी हमले की आशंका जताई

कट्टरपंथी तत्व के नापाक इरादें, हाई अलट

नई दिल्ली। 22 जनवरी को राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह से पहले खुफिया एजेंसियों ने अयोध्या में संभावित आतंकी की आशंका जताई है। इनपुट के मुताबिक, आतंकी राजनीतिक नेताओं, अधिकारियों को निशाना बनाकर इलाके में अशांति फैलाने की तैयारी में हैं। केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने बताया कि कट्टरपंथी तत्व एक खास समुदाय को बार-बार भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच, खुफिया एजेंसियों के अनुसार, आतंकवादियों ने वर्तमान इज़राइल-हमास संघर्ष का उपयोग भारत सरकार के रुख को इज़राइल के पक्ष में करने के लिए भी किया है। अलर्ट के बाद, केंद्रीय एजेंसियों ने शहर में संभावित खतरे से निपटने के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की। जानकारी के मुताबिक, राम जन्मभूमि समारोह के दौरान तैनात सभी सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में भी अशांति फैलाने की कोशिश की जा रही है। एजेंसियों ने कहा कि राष्ट्र-

विरोधी समूहों ने अंतरराष्ट्रीय समुदायों के सामने भारत विरोधी माहौल बनाने के लिए सोशल मीडिया पर कई पोस्ट तैयार किए हैं। यहां यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि अयोध्या अभिषेक (प्राण प्रतिष्ठा) समारोह की प्रत्याशा में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के साथ तैयारी कर रही है। 22 जनवरी को राम मंदिर के उद्घाटन की तैयारियां सक्रिय रूप से चल रही हैं, उत्तर प्रदेश सरकार एक संपूर्ण योजना क्रियान्वित कर रही है जिसमें उन्नत सुरक्षा प्रोटोकॉल और कुशल यातायात प्रबंधन रणनीतियां शामिल हैं।

अयोध्या पहुंचेंगे लालकृष्ण आडवाणी

विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नेता कृष्ण गोपाल और राम लाल, आलोक कुमार ने बुधवार को लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात की और राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण दिया। आलोक कुमार ने कहा कि अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में उनकी यात्रा के दौरान लालकृष्ण आडवाणी को सभी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं और अन्य व्यवस्थाएं प्रदान की जाएंगी। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए सभी परंपराओं के संतों को भी निमंत्रण दिया गया है। इस बीच कांग्रेस ने भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण ठुकरा दिया है।

भारत को लेकर चीन की बदली सोच

अब ऐसा नहीं है कि आंख दिखाओ और निकल जाओ

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह यूनाइटेड किंगडम की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। उन्होंने लंदन में एक कार्यक्रम को संबोधित किया और कहा कि गलवान झड़प के बाद, चीन जानता था कि भारत कमजोर नहीं है। उन्होंने कहा, %तीन साल पहले गलवान में झड़प के बाद ही चीन को समझ आ गया था कि भारत कमजोर नहीं है।% चीन का मुखपत्र माने जाने वाले ग्लोबल टाइम्स के एक हालिया लेख का हवाला देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि बीजिंग अब भारत के एक प्रमुख वैश्विक आर्थिक खिलाड़ी और रणनीतिक शक्ति के रूप में उभरने को स्वीकार करता है और इसका श्रेय देश की मजबूत आर्थिक और विदेशी नीतियों को देता है। लंदन में इंडिया हाउस में एक सामुदायिक स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए, सिंह ने बताया कि ग्लोबल टाइम्स के एक स्तंभकार ने %भारत में भारत कथा के बारे में मैं क्या देखता हूं शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया, जो भारत पर चीन के दृष्टिकोण में बदलाव का संकेत देता है। उन्होंने कहा कि यह लेख भारत के प्रति चीन के बदलते नजरिए की जोरदार पुष्टि है। ऐसा लगता है कि चीनी सरकार यह स्वीकार करने लगी है कि हमारी आर्थिक और विदेशी नीतियों के साथ-साथ हमारे बदलते रणनीतिक हितों ने भारत को एक प्रमुख वैश्विक आर्थिक खिलाड़ी और रणनीतिक शक्ति के रूप में उभरने में मदद की है। भारत नैरेटिव शीर्षक वाला लेख फुडन यूनिवर्सिटी में सेंटर फॉर साउथ एशियन स्टडीज के निदेशक झांग जियाडोंग द्वारा लिखा गया था। झांग, जिन्होंने भारत की हाल की दो यात्राओं को आधार बनाया, ने पिछले चार वर्षों में भारत की घरेलू और विदेशी स्थिति में जबरदस्त बदलावों का उल्लेख किया। उन्होंने देखा कि भारत, एक दशक से भी कम समय में, बहु-संतुलन से बहु-संरेखण में स्थानांतरित हो गया है और तेजी से बहुध्रुवीय दुनिया में एक ध्रुव में बदल रहा है।

'उत्तिष्ठत, जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत'
(कठोपनिषद्)

राष्ट्रीय युवा दिवस

स्वामी विवेकानंद जी की जयंती (12 जनवरी) पर पावन स्मरण

ऊर्जावान युवा प्रगतिशील प्रदेश

मोदी की गारंटी

रिक्त शासकीय पदों पर नियमित भर्ती
आगामी दो वर्षों में प्रदेश के सभी शासकीय विभागों के रिक्त पदों पर नियमित भर्ती का लक्ष्य

सार्वजनिक सेवाओं में रोजगार अवसर
'सरकार तुंहर दुआर' योजना के माध्यम से सार्वजनिक सेवाओं के क्षेत्र में डेढ़ लाख युवाओं को रोजगार दिलाने का लक्ष्य

प्रतियोगिता परीक्षाओं में पारदर्शिता की गारंटी
प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता की गारंटी, छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में अनियमितता की शिकायतों की सीबीआई जांच का निर्णय

युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए संकल्पित
छत्तीसगढ़ सरकार

संवाद-39336/121

श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

सबका साथ- सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

कोरबा जिले में सैंकड़ों से ज्यादा सरकारी स्कूल एक शिक्षक के भरोसे चल रहे

■ एक शिक्षक वाले स्कूलों की संख्या 138 हो गई

कोरबा। दो साल से नए शिक्षकों की भर्ती पर रोक है। कई शिक्षक रिटायर हो गए, उनकी पूर्ति के लिए प्रमोशन भी दिया गया। लेकिन प्रमोशन में भी पेंच फंसा। कई शिक्षक शहरों में चले गए। इन सबका असर शिक्षा व्यवस्था पर पड़ा है। पिछले सत्र की तुलना में इस साल कोरबा जिले में शिक्षा व्यवस्था काफी चरमरा गई है। ऐसे स्कूलों की संख्या बढ़ गई है जहां सिर्फ एक टीचर के कांधे पर पूरे स्कूल की जिम्मेदारी है।

कोरबा में एक टीचर वाले स्कूलों की संख्या 138 हो गई है। पिछले साल तक ऐसे स्कूलों की संख्या 121 थी लेकिन इस साल 17 और स्कूल इस लिस्ट में शामिल हो गए हैं। शिक्षा विभाग लाख दावे कर ले लेकिन सरकारी प्राथमिक और मिडिल स्कूलों की हालात में ज्यादा परिवर्तन नहीं आ पा रहा है। इन स्कूलों के अलावा कुछ ऐसे भी स्कूल है जहां टीचर ही नहीं है। झोरा, बडेरीमुड़ा, गांगपुर सहित दर्जन भर स्कूलों में एक भी टीचर नहीं है। जहां वैकल्पिक शिक्षकों के भरोसे बच्चों की पढ़ाई हो रही है। चुनावी वर्ष में शिक्षकों के प्रशिक्षण और निर्वाचन कार्य के कारण पढ़ाई पहले से प्रभावित रही है। समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी तो इसका असर वार्षिक परीक्षा के परिणाम पर पड़ेगा।

प्राथमिक व मिडिल स्कूल का शिक्षकीय जीवन में नींव का पत्थर कहा जाता है। अब जब नींव ही कमजोर हो तो, बच्चे आगे का सफर कैसे तय करेंगे। बीते वर्ष शिक्षा सत्र के शुरुआत में 1145 टीचर्स का प्रमोशन हुआ

था। इससे अनुमान लगाया जा रहा था कि स्थिति में सुधार आएगा लेकिन पसंदीदा जगह में पदस्थापना वाले सिस्टम के कारण एक टीचर वाले स्कूलों की संख्या और बढ़ गई।

कोरबा जिले के पांच ब्लॉक में पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक में ऐसे स्कूल सबसे ज्यादा है। प्रदेश का सबसे बड़ा विकासखंड पोड़ी उपरोड़ा आज भी सबसे ज्यादा पिछड़ा हुआ है। यहां 44 ऐसे प्रायमरी स्कूल है जो एक टीचर के भरोसे चल रहे हैं। धनवारा, खिरटी, अलंगीडांड़ गदेलीपारा, बूढ़ापारा गांवों में स्कूल तो हैं, लेकिन टीचर नहीं हैं।

कटघोरा विकासखंड के ग्राम छुरीखर्द प्राइमरी स्कूल में पहली से पांचवी तक बच्चों की दर्ज संख्या 50 होने के बाद भी यहां नए शिक्षक की नियुक्ति नहीं की गई है। इसी तरह धंवईपुर में 45, जांताडांड़ में 21, देवपहरी में 16 और कटघोरा खमरिया 18 दर्ज संख्या होने के बाद भी शिक्षक नहीं हैं। शिक्षक विहीन स्कूलों में वैकल्पिक शिक्षक के भरोसे पढ़ाई की जा रही है। यहीं हाल प्राथमिक शाला छिरहुट, इंदिरा नगर जमनी पाली स्कूल का भी है।

बीते वर्ष सहायक शिक्षकों का शिक्षक और प्रधान पाठक के पद पर प्रमोशन किया गया था। कई शिक्षकों ने प्रमोशन में संशोधन करवाया और दूसरे स्थान पर पदस्थापना ली। इस आदेश को पूर्व की कांग्रेस सरकार ने निरस्त कर दिया। जिसके बाद शिक्षक हाई कोर्ट चले गए । मामला लंबा खिंच गया, 4 महीने तक वह स्कूल ही नहीं गए। अब कोर्ट के आदेश पर पहली जनवरी से उन्हें स्कूलों में जॉइनिंग मिली है। सरकारी सिस्टम और पॉलिसी के कारण भी स्कूलों में शिक्षकों की कमी बनी हुई थी। आदेशों में पेंच ऐसा फंसा कि कई स्कूल 4 महीने से बिना शिक्षक के ही चलते रहे।

प्रधानपाठ के 514 पद स्वीकृत है। जिसमें से 336 पदों पर भर्ती हुई है। 178 पद खाली है। टीचर्स के 2319 पद स्वीकृत है जिसमें से 1566 पदों पर भर्ती हुई है 753 पद खाली है। सहायक शिक्षक के 1464 पद स्वीकृत है। 276 पदों पर भर्ती हो चुकी है 1188 पद खाली है। इसी तरह व्यायाम टीचर्स के कुल 77 पद है। जिनमें से 52 पद भरे हैं, 25 पद अब भी खाली है।

कोरबा कलेक्टर अजीत वसंत ने बताया कि जिला शिक्षा अधिकारी को एकल शिक्षकीय की और शिक्षक विहीन स्कूलों की सूचि तैयार करने को कहा गया है। यहां जिला खनिज न्यास मद से शिक्षकों को नियुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं। जरूरत के अनुसार सभी स्कूलों में डीएमएफ से शिक्षकों की भर्ती की जाएगी।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा : विधायक रेणुका सिंह ने प्रदेशवासियों से की अपील

एक दिया कौशल्या के राम और छत्तीसगढ़ के भांचा प्रभु श्रीराम के नाम जलाएं

मनेन्द्रगढ़। पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री व भरतपुर सोनहत विधायक रेणुका सिंह ने प्रदेशवासियों से राम मंदिर उद्घाटन के दिन एक दिया कौशल्या के राम के नाम छत्तीसगढ़ के भांचा प्रभु श्रीराम के नाम जलाने की अपील की है। रेणुका सिंह ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि, प्रभु श्रीराम ने छत्तीसगढ़ में जहां से अपने पांव पखारे, वनवास के दौरान प्रभु श्रीराम और माता सीता के छत्तीसगढ़ में पहले कदम भरतपुर सोनहत विधानसभा में पड़े और यह भूमि पुण्य भूमि हो गई। मेरा सौभाग्य है कि, वहां की जनता ने मुझे आर्शीवाद दिया। रेणुका सिंह ने लिखा है कि, जिस मवई नदी को पार कर श्रीराम भगवान ने छत्तीसगढ़ में प्रवेश किया। उस नदी में खेलकर मेरा भी बचपन बीता। छत्तीसगढ़ प्रभु श्रीराम का ननिहाल है। वनवास के दौरान श्रीराम भगवान ने छत्तीसगढ़ में 12 वर्ष बिताए।

विधायक रेणुका सिंह ने आगे लिखा है कि, 500 वर्षों के अन्तराल के बाद अयोध्या में राम जन्मभूमि पर रामलला 22 जनवरी को विराजने जा रहे हैं। इन 500 वर्ष के दौरान भारत की करीब 25 पीढ़ियों ने राम मंदिर के मुद्दे पर देश के संघर्ष को देखा। हमारी पीढ़ी सौभाग्यशाली है कि हमारे सामने राम मंदिर निर्माण का सपना साकार होने जा रहा है।

22 जनवरी को अपने घर के बाहर जलाएं दो दीपक

उन्होंने प्रदेशवासियों और अपने विधानसभा क्षेत्र

के लोगों से यह आग्रह किया है कि, अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण यह केवल एक मंदिर का निर्माण नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान के जागरण का उद्घोष भी है। श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण के साथ ही भारत देश को दुनिया के सामने एक समर्थ शक्तिशाली और समृद्ध भारत के रूप में खड़ा करना है। रामराज्य की परिकल्पना को साकार करने के लिए मैं आप सभी से आग्रह करती हूं कि 22 जनवरी को अपने घर के बाहर दो दीपक जलायें, एक भगवान श्रीराम के नाम और एक राष्ट्र के नाम।

पीएम मोदी की अपील पर करें अमल

विधायक रेणुका सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देशवासियों से की गई अपील पर अमल करने की बात कहते हुए कहा कि, 14 जनवरी मकर संक्रांति के दिन से अपने आस-पास के मंदिरों में स्वच्छता अभियान चलाए। मन्दिर परिसरों को साफ सुथरा रखे। उन्होंने कहा कि, 22 जनवरी ऐतिहासिक दिन बनने जा रहा है। प्रभु श्रीराम का स्वागत अपने-अपने घरों में दीप जलाकर करें।

कवर्धा में सरकारी जमीन पर अवैध ईंट भट्टा ग्रामीणों का आरोप, फसल हो रही बर्बाद

कवर्धा। कबीरधाम जिले में अवैध ईंट भट्टे पर लगाम नहीं लगाने के कारण अब सरकारी जमीनों पर भी इसका संचालन किया जा रहा है। शासन की तरफ से जीवन यापन करने कोटवार को मिली शासकीय भूमि पर अवैध ईंट भट्टा लगा दिया गया। ना सिर्फ ईंट भट्टा बल्कि हाफ नदी से अवैध रेत का खनन भी किया जा रहा है। जिससे पर्यावरण को नुकसान होने के साथ साथ खनिज का भी चूना लग रहा है। ग्रामीण कई बार इसकी शिकायत कर चुके हैं लेकिन मामले में अब तक किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं हुई है।

पड़की कलां के ग्रामीणों का आरोप है कि मध्यप्रदेश के ठेकेदार हर साल यहां आकर अवैध ईंट भट्टा लगाते हैं। इससे फसलों को काफी नुकसान हो रहा है। ईंट भट्टे की गर्मी से उनकी लगाई फसल पूरी तरह से खराब हो जाती है। कुछ ग्रामीणों ने बताया कि ईंट भट्टे के साथ पास ही स्थित हाफ नदी से भारी मात्रा में रेत खनन किया जा रहा है। जिससे खनिज संपदा के साथ ही पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है। ग्रामीण घनश्याम चंदाकर ने कहा पांच साल से अवैध ईंट भट्टे से काफी परेशानी हो रही है। गर्मी के दिनों में पूरी फसल बर्बाद हो जाती है।

ग्रामीण ने कहा बाहरी लोग ईंट भट्टा चला रहे हैं। सड़क खराब हो रहा है। पेड़ काटे जा रहे हैं। नदी से

रेत निकाल रहे हैं। पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है। शिकायत किए थे कुछ दिन कार्रवाई हुई उसके बाद फिर से काम शुरू हो गया। ग्रामीणों के विरोध और शिकायत के बाद प्रशासन ने ईंट भट्टा को बंद करा दिया था लेकिन कुछ दिनों बाद अवैध काम फिर से शुरू हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि अवैध ईंटभट्टे से गांव में बाहरी लोगों की गतिविधियां ज्यादा बढ़ गई है। जिसके चलते शराब और दूसरे नशे के धंधे भी बढ़ गए हैं।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कहा मामले में खनिज अधिकारी व एसडीएम पंडरिया को जल्द से जल्द इस मामले में कार्रवाई करने का आदेश दे दिया गया है। कलेक्टर साहब ने तो कार्रवाई का आदेश देने की बात कहकर मामले में पल्ला झाड़ लिया अब देखना होगा कि इस पर एक्शन कब तक लिया जाता है।

कचरा बीनने वाली बिहुला देवार को अयोध्या राममंदिर से आया न्यौता

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ की धर्मनगरी राजिम में कचरा बीनने वाली एक बुजुर्ग महिला को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए निमंत्रण मिला है। बुजुर्ग महिला कचरा बीनकर अपना जीवन यापन करती है।इस महिला का नाम बिहूला बाई है। जिन्हें 22 जनवरी को अयोध्या की पावन भूमि में रामलला के दर्शन करने और प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए हिंदू संगठन ने न्यौता दिया है।

बिहुला बाई के भगवान राम के प्रति अटूट विश्वास और श्रद्धा का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं।वो बड़ी मुश्किल से अपने और अपने परिवार के लिए दो वक्त की रोटी का इंतजाम कर पाती है।बावजूद इसके कचरा बेचकर जो राशि उन्हें मिली थी।उस राशि का आधा हिस्सा बिहुला बाई ने राम मंदिर निर्माण कार्य के लिए दान कर दिया। हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने बताया कि राम मंदिर निर्माण के लिए निधि संचय का कार्य हर ब्लॉक में किया जा रहा था।तभी बिहूला बाई जो कचरा बेचकर वापस आ रही थी।उन्होंने अपनी कमाई का आधा हिस्सा राम मंदिर के लिए दान करने की इच्छा जताई।भक्त का ये दान सहर्ष संचय निधि इकट्ठा करने वाले कार्यकर्ताओं ने स्वीकार किया।

बिहूला को मिला न्यौता = बिहूला देवार की भगवान राम की प्रति सच्चा श्रद्धा का फल भी उन्हें मिला। भगवान राम ने खुद ही बिहुला को दर्शन देने के लिए अयोध्या बुलाया है। बिहुला की भावना और समर्पण को देखते हुए अयोध्या का अक्षत कलश जब राजिम पहुंचा तो कार्यकर्ता बिहुला देवार की झोपड़ी में गए।इसके बाद भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा का न्यौता बिहुला को दिया।

वहीं बिहुला देवार को जब राम जन्मभूमि में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण मिला तो उन्हें भरोसा नहीं हुआ।भला क्यों कोई गरीब कचरा बीनने वाली महिला को इतने बड़े आयोजन के लिए निमंत्रण भेजेगा।लेकिन बिहुला की इस सोच को भगवान राम ने बदल दिया। उनके अटूट विश्वास का फल था कि आज बिहुला के हाथों में वो निमंत्रण पत्र है।जिसका साक्षी पूरा विश्व बनने वाला है। बिहुला देवार ने कहा अयोध्या के लिए दान किया था। अयोध्या में 20 रुपया।गरीब आदमी हूं 20 रुपया दान किया था।मैं कचरा बीनती हूं।कचरा बीनकर मंदिर बजरंग बली का भी बनवाएं हैं।मुझे अयोध्या से निमंत्रण मिला है। आज मुझे बहुत खुशी हो रही है कि मुझे राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए बुलाया गया है।

पड़ोसी राज्य का धान खपा रहा था सरपंच

171 कट्टा धान का अवैध परिवहन करते पकड़ाया

कवर्धा। पड़ोसी राज्यों से सस्ती कीमत पर धान खरीदकर प्रदेश में खपाने की बिचौलियों की कोशिश को एक बार फिर जिला प्रशासन ने नाकाम किया है। कवर्धा ब्लॉक के भागूटोला सरपंच को 171 कट्टा धान का अवैध परिवहन करते पकड़ा है।

प्रदेश में 1 नवंबर से धान खरीदी शुरू होने के साथ ही बिचौलिए भी सक्रिय हो गए हैं, जो पड़ोसी राज्यों से सस्ती कीमत पर धान लाकर छत्तीसगढ़ में खपाने का काम करते हैं। इसे रोकने जिला प्रशासन पड़ोसी राज्य की सीमा पर चेकपोस्ट लगाकर निगरानी कर रहा है। कबीरधाम जिला के मध्यप्रदेश सीमा से सटे होने के चलते यहां बिचौलिए ज्यादा सक्रिय हैं, जिन्हें पकड़ने के लिए समय-समय पर कार्रवाई की जाती है। इस कड़ी में जिला प्रशासन ने कवर्धा ब्लॉक के भागूटोला सरपंच को 171 कट्टा धान का अवैध

परिवहन करते पकड़ा है। आरोपी सरपंच अपनी ट्रेक्टर में 51 कट्टा और 407 वाहन में 120 कट्टा धान को सोसायटी में खपाने के लिए ले जा रहा था। खाद्य अधिकारी व कवर्धा तहसीलदार ने अपनी टीम के साथ घेराबंदी कर दोनों वाहन को पकड़ा, और धान की जब्ती पंचनामा बनाकर कृषि उपज मंडी को सौंप दिया है। बताया जा रहा कि भागूटोला सरपंच अपने कृषि केंद्र की आड़ में अवैध धान कम कीमत में खरीद कर जनप्रतिनिधि होने का धौंस दिखाकर सोसायटी में बेच रहा था। मुखबिर ने प्रशासन को मामले की जानकारी दी, जिसके बाद अधिकारियों की टीम ने मौके पर पहुंच कर सभी धान को जब्त कर लिया है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

नक्सली इलाकों में सुनाई देगी शिक्षा की गूंज

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिले कबीरधाम में पुलिस ने शिक्षा को लेकर विशेष पहल की है। यहां के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में बंदूक की आवाज नहीं, अब पढ़ाई की गूंज सुनाई देगी। जिला पुलिस ने नक्सल प्रभावित क्षेत्र के 300 विद्यार्थियों को ओपन स्कूल का फॉर्म भरवाया है, जो आने वाले दिनों में कक्षा 10वीं व 12वीं की परीक्षा में शामिल होंगे। एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने बताया कि शिक्षा सभी नागरिकों का मौलिक अधिकार है। आज भी सुदूर वनांचल क्षेत्र में जागरुकता की कमी और आर्थिक अभाव में नागरिक, विद्यार्थी शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। शिक्षा से वंचित सुदूर वनांचल क्षेत्र के विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़ने और बच्चों को शिक्षित करने यह पहल किया जा रहा है। कबीरधाम पुलिस द्वारा बच्चों को कोंचिग के माध्यम से नि:शुल्क शिक्षा भी दे रहे हैं। इसके साथ ही बच्चों को पाठ्य सामग्री भी उपलब्ध करा रहे हैं। नक्सल प्रभावित गांवों के 300 से अधिक युवा, जो स्कूल छोड़ चुके हैं। उन्हें ओपन स्कूल परीक्षा के लिए प्रेरित किया गया और उनका नामांकन कराया गया।

प्रतिबंधित दवा देना मेडिकल संचालकों को पड़ेगा महंगा

कोरबा। हर तरह के अपराध की रोकथाम करने को लेकर कोरबा जिले में पुलिस के द्वारा काम किया जा रहा है। प्रतिबंधित दवा के उपयोग को रोकने और इस प्रकार के कार्य में लगे लोगों की पहचान करने के लिए भी पुलिस गंभीरता दिख रही है। दवा दुकान संचालकों के साथ पुलिस ने इस बारे में बैठक की और उनसे विचार विमर्श किया। विभिन्न प्रकार की बीमारियों के मामले में पीड़ितों को राहत देने के लिए अलग-अलग तरह की दवा का उपयोग किया जाता है। डॉक्टर की सलाह के आधार पर इस प्रकार की दवाएं मरीज उपयोग में लेते हैं। जबकि सामान्य बीमारी की स्थिति में लोग अपने हिसाब से भी उपचार करने में रुचि लेते हैं। अनिद्रा, तनाव और चिड़चिड़ापन के साथ-साथ कई ऐसे मामले होते हैं, जिनमें लोगों को विशेष तरह की दवाई जरूरी होती है, लेकिन इसकी आड़ में गलत आदत रखने वाला वर्ग प्रतिबंधित दवा का उपयोग करने से बाज नहीं आता। सरकार ने स्पष्ट व्यवस्था बनाई है कि डॉक्टर के द्वारा लिखे जाने पर ही इस प्रकार की दवाएं संबंधित व्यक्ति को उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

हसदेव जंगल बचाने सड़क पर उतरे बच्चे

कांकेर। छत्तीसगढ़ में सरकार बदलते ही हसदेव के जंगल में पेड़ों की कटाई शुरू हो गई है। जंगल को बचाने वहां के आदिवासी, हसदेव बचाओ संगठन और कई सामाजिक कार्यकर्ता आंदोलन कर रहे हैं। वहीं हसदेव के आंदोलन की चिंगारी अब बस्तर पहुंच गई है। बस्तर के कांकेर जिला मुख्यालय में पोस्ट मैट्रिक छात्रवास के बच्चे हसदेव के जंगल को बचाने के लिए आज सड़क पर उतर आए हैं। पीएमटी छात्रवास के छात्रों ने आज कांकेर पीजी कॉलेज से घड़ी चौक तक रैली निकालकर तहसीलदार को एसडीएम के नाम हसदेव में जंगल कटाई रोकने के लिए ज्ञापन सौंपा। छात्रों ने कहा कि हम कांकेर छग के संयुक्त पीएमटी छात्रावास के आदिवासी विद्यार्थी हैं। सरकार से विनम्र अपील करते हैं कि हसदेव अरण्य मध्य भारत का समृद्ध जंगल है, जो जैव विविधता से परिपूर्ण है और कई विलुप्त वनस्पति और जीव जंतुओं का रहवास है। छात्रों ने कहा, यह जंगल हसदेव नदी और उस पर बने मिनीमाता बागों बांध का खोत है, जिससे रायगढ़, कोरबा और बिलासपुर जिले के किसानो की जमीन सिंचित होती है।

बलरामपुर में 22 को मांस बिक्री पर प्रतिबंध की मांग

बलरामपुर। उत्तरप्रदेश की धर्म नगरी अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम नजदीक है। इसे लेकर पूरे सनातन समाज में उत्साह का माहौल है। प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को लेकर बलरामपुर में भी व्यापक स्तर पर तैयारियां चल रही है। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के दिन पूरे देश भर सहित बलरामपुर जिले में अनेकों धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ऐसे में बजरंग दल ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर जिले में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दिन मांस बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग रखी है। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने रामानुजगंज एसडीएम के माध्यम से कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। जिसमें जिला प्रसासन से मांग की गई है कि बलरामपुर रामानुजगंज जिले में आगामी 22 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दिन मांस-मछली की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया जाए। गुरूवार को बड़ी संख्या में बजरंग दल कार्यकता रामानुजगंज एसडीएम कार्यालय पहुंचे। जहां बजरंग दल के जिला संयोजक जशु केशरी के नेतृत्व में सभी ने कलेक्टर के नाम से ज्ञापन सौंपा है।

रोड निर्माण में कमीशन के नाम पर करोड़ों की धोखाधड़ी

भिलाई। कुम्हारी थाना अंतर्गत पीडब्ल्यूडी डिपार्टमेंट का सड़क निर्माण में इन्वेस्टमेंट करने पर 65 प्रतिशत राशि देने का झांसा देकर एक व्यक्ति से 2 करोड़ 96 लाख रुपए की धोखाधड़ी की है। रिपोर्ट पर पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर लिया है। दोनों के खिलाफ आरोप है कि मेसर्स एनकेजेए इंफ्रा डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से पीडब्ल्यूडी डिपार्टमेंट का सड़क बनाने टेंडर मिला। इस काम में इनवेस्ट करने पर इनकम का 65 प्रतिशत राशि देने का झांसा दिया गया। झांसे में आकर मेसर्स एनकेजेए इंफ्रा डेवलपमेंट के डायरेक्टर ने 2 करोड़ 96 लाख 71 हजार रुपए कई पार्ट में आरटीजीएस से रकम डाल दिया। कुम्हारी टीआई ने कहा ग्लोबल इनवायरो इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रोपराइटर रवि गर्ग और सुमीत जैन के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया गया है। 13 मार्च 2021 को दोनों पक्षों की सहमति से स्टॉम्प में एग्रीमेंट हुआ। जिसमें लिखा था कि जो व्यक्ति टेंडर में रकम इनवेस्ट करेगा उसे इनकम में 65 प्रतिशत रकम दिया जाएगा।

अन्नदाताओं की जेब में पैसे की जगह डाला जा रहा डाका

■ हर मानक बोरी में 1 से 3 किलो का हो रहा खेला, सवाल करने पर भड़क रहे प्रबंधक

बालोद। जिले के आदिवासी ब्लॉक डौंडी के ग्राम घोटिया में धान खरीदी केंद्र से गड़बड़ी सामने आई है। प्रबंधक और तौलकर्मियों के द्वारा धान बेचने आए किसानों से 40 किलो के मानक बोरे में 1 से 3 किलो धान ज्यादा तौला जा रहा है। किसानों के मुताबिक हर बोरे से इतनी ही मात्रा में एक्स्ट्रा धान तौला जा रहा है। बुधवार को मीडिया की टीम घोटिया धान खरीदी केंद्र पहुंची। जहां तौलकर्मियों के द्वारा तौल में गड़बड़ी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। इस पर तौलकर्मियों ने किसानों के सामने स्पष्ट कहा कि उठाव के बाद शॉर्टेज आने पर समिति से वसूली की जाती है। इसलिए समिति के सहायक प्रबंधक टोमेश्वर निषाद के कहने पर हर बोरे में थोड़ा थोड़ा धान ज्यादा लेते हैं।

किसानों के साथ धान मंडी में हो रही धोखाधड़ी की खबर गांव की सरपंच ममता मंडावी, उप सरपंच सालिक राम, पंच मितेंद्र वैष्णव सहित कुलवंत वैष्णव और कई जनप्रतिनिधियों और अन्य मीडियाकर्मियों को हुई। जिसके

बाद सभी तत्काल धान मंडी पहुंचे और किसानों के साथ हो रहे अन्याय को देखकर उनकी भी आंखें फटी की फटी रह गई। जिसके बाद सहायक प्रबंधक टोमेश्वर निषाद को बुलाया गया तो वे भी अपनी और अपने तौलकर्मियों की करतूतों पर पर्दा डाल आते ही आग बबूला हो गए। जब सभी के सामने पहले तौल कर सिलाई हो चुके बोरों सहित कई बोरों को तौला गया तो हर बोरे में लगभग 1 से 3 किलो ज्यादा धान पाया गया।

इतना सब कुछ होने और सबके सामने पोल खुल जाने के बाद टोमेश्वर निषाद करतूतों पर पर्दा डालने के लिए मीडियाकर्मियों पर ही पैसा मांगने का आरोप लगा दिया। मामले की जानकारी कलेक्टर को दी गई। जिसके बाद सहकारिता विस्तार अधिकारी मनोज नेताम और पटवारी सुरेश सिन्हा धान मंडी पहुंचे और सभी के सामने अलग-अलग किसानों सहित तीन दिन पूर्व खरीदी हुए कुल 14 बोरों की नमी मापी। साथ ही दोबारा वजन करवाया तो मात्र तीन बोरों का वजन 40 किलो और शेष में आधा किलो से लेकर डेढ़ किलो तक ज्यादा धान पाया गया। सबसे ज्यादा आश्चर्य तो तब हुआ जब तीन दिन पहले खरीदी हुए धान के बोरे को तौला गया तो उसमे 40 की जगह 43 किलो धान निकला। धान बेचने आए किसान यशवंत सिंह का कहना है कि हर कट्टे में से 1 से 2 किलो ज्यादा धान निकल रहे दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। किसान मोहन सिंह ठाकुर का कहना है कि किसानों के साथ धोखाधड़ी कर 1 से 3 किलो धान ज्यादा तौल हम किसानों के हिस्सें पर ढाका ढाल रहें इन लोगों पर कार्यवाही होनी चाहिए। जांच करने आए सहकारिता विस्तार अधिकारी मनोज नेताम ने प्रबंधक और समिति के कर्मियों का बचाव करते हुए कहा कि थोड़ी बहुत अनियमितता हुई है। पंचनामा तैयार किया गया है। जिसे उच्च अधिकारियों को भेज दिया जाएगा।

सूरजपुर जनपद अध्यक्ष को गंवानी पड़ी कुर्सी

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ में सत्ता परिवर्तन होने के बाद दिसंबर महीने में सूरजपुर जनपद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर बुधवार को जनपद सभाकक्ष में वोटिंग हुई। जिसमें जनपद अध्यक्ष को अपनी कुर्सी गंवानी पड़ी।

आपको बता दें कि सूरजपुर जनपद पंचायत में 25 सदस्य हैं। जिसमें से करीब 22 सदस्य अध्यक्ष उपाध्यक्ष के कार्यशैली से नाराज चल रहे थे। जिसके बाद बीते 15 दिसंबर को जनपद सदस्यों ने सामूहिक रूप से कलेक्टर से सामने अविश्वास प्रस्ताव लाने का आवेदन दिया। जिसे लेकर जनपद पंचायत सूरजपुर कार्यालय में जनपद सदस्यों ने अपना वोट डाला। 25 सदस्यों में से 23 सदस्य उपस्थित थे। 21 मत अध्यक्ष के विरोध में पड़े।

जनपद सदस्यों का आरोप है कि अध्यक्ष और उपाध्यक्ष आपास में मिलीभगत कर शासकीय राशि के आवंटन में अपनी मनमानी कर भेदभाव कर रहे थे। कई बार के समझाईश देने के बाद भी दोनों ने अपनी मनमानी की।इसके पहले भी अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था।लेकिन कांग्रेस सरकार होने की वजह से मान मनौव्वल करके मामला शांत कराया गया था।लेकिन प्रदेश में सत्ता बदलते ही अविश्वास प्रस्ताव लाया गया।जिसमें अध्यक्ष को अपनी कुर्सी गंवानी पड़ी।

वहीं दूसरी ओर जनपद अध्यक्ष जलाल देहाती ने खुद ही सोशल मीडिया और लेटर हेड के माध्यम से इस्तीफा देने की बात कही है।वहीं उपाध्यक्ष जगलाल सिंह ने सोमवार को इस्तीफा देने की बात कही थी।लेकिन गुरुवार को उपाध्यक्ष के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग होगी।

संक्षिप्त समाचार

हितेश बघेल होंगे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के ओएसडी

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के ओएसडी एवं निज सहायक सहित मुख्यमंत्री सचिवालय में अवर सचिव की नियुक्ति का आदेश जारी किया गया। सामान्य प्रशासन विभाग महानदी मंत्रालय भवन से जारी आदेश के तहत बिलासपुर में पदस्थ संयुक्त कलेक्टर श्री हितेश बघेल को मुख्यमंत्री का ओएसडी नियुक्त किया गया है। बिलासपुर में ही पदस्थ संयुक्त कलेक्टर श्री सूरज कुमार साहू को अस्थायी रूप से मुख्यमंत्री सचिवालय में अवर सचिव बनाया गया है तथा स्वास्थ्य केन्द्र कांसाबेल जिला जशपुर में ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक के पद पर कार्यरत श्री आकाश गुप्ता की सेवाएं उनके पैतृक विभाग से लेते हुए मुख्यमंत्री की निजी स्थापना में निज सहायक पदस्थ किया गया है।

15 जनवरी को पूर्व सैनिक होंगे भाजपा में शामिल

रायपुर। 15 जनवरी थल सेना दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ में रहने वाले पूर्व सैनिक भाजपा में प्रवेश करने जा रहे है। वहीं दूसरी ओर 26 जनवरी को विवेकानंद विद्यापीठ में आयोजित पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के हनुमंत कथा के दौरान 31 पूर्व सैनिकों के परिवार व 10 पैरामिट्री के जवानों का सम्मान किया जाएगा। एक्स आर्मी फाउंडेशन के अध्यक्ष दिनेश मिश्रा, वीरेंद्र प्रताप सिंह राणा के अलावा अन्य रिटायर्ड सैनिकों ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि सेना के जवान पहले भी बहादूर थे और आज भी बहादूर है। सेना अपने कौशल के आधार पर काम करता है। जो लोग सेना पर सवाल उठाते हुए उन्हें हम कहना चाहते हैं कि अगर सेना देश विरोधी होती तो आज हम यहां नहीं रहते। वोट देने का अधिकार सबको है इसलिए हम 15 जनवरी थल सेना दिवस के दिन सैनिकों को भी वोट देने के लिए अधिकार मांगेंगे ताकि वे भी राष्ट्रवाद के साथ जुड़े सकें। राष्ट्र की सेवा में तो वे हमेशा लगे रहते हैं लेकिन राष्ट्रवाद की सेना करने का उन्हें भी मौका मिलना चाहिए। इसलिए 15 जनवरी को छत्तीसगढ़ के 100 से 500 पूर्व सैनिक भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर पहुंच भाजपा प्रवेश करेंगे और तन, मन धन से अपनी सेवा करेंगे।

22 को घरों में ज्योति जलाने सनातनी प्रेमियों ने की अपील

रायपुर। 22 जनवरी को हर घर में श्रीराम ज्योति जलाएं व 14 जनवरी को घरों व ऑफिस के आसपास की सफाई करने के साथ ही मंदिरों में जाकर सफाई कर श्रमदान करने की अपील सनातन प्रेमियों की है। सनातनी हिंदू व सिंधी समाज के युवा सेवक जय यश कुकरेजा ने छत्तीसगढ़ वासियों से अपील करते हुए कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर की स्थापना के लिए हिन्दु संगठनों की वर्षों की मेहनत व बहुत से स्वातनियों के बलिदानों के चलते आज वहां मंदिर बनकर तैयार हो गया है और भगवान श्रीराम 22 जनवरी को मंदिर में प्रवेश करने वाले है इसलिए सभी देशवासियों के साथ छत्तीसगढ़वासी 22 जनवरी को श्रीराम ज्योति जलाकर दीपावली मनाए और 14 जनवरी को अपने आस पास के मंदिरों में जाकर सफ़ाई करें साथ ही अपने घरों व ऑफिसों के आसपास भी सफाई करें। अयोध्या के विवादित ढांचे पर सबसे पहले ध्वज फहराने व श्री राम मंदिर के लिए प्राणो का बलिदान करने वाले कोठारी बंधुओं व सभी कारसेवकों का उन्होंने इसके लिए आभार जताया।

श्रीरामलला दर्शन योजना से राम के ननिहाल वाले निहाल होंगे : भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एवं रायपुर जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष अशोक बजाज ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार द्वारा श्री रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) योजना प्रारंभ करने के निर्णय का स्वागत किया है। इस योजना से राम के ननिहाल वाले निहाल होंगे। श्री बजाज ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार लगातार %मोदी की गारंटी% को पूरा करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाकर आगे बढ़ रही है, श्री रामलला दर्शन योजना का यह निर्णय भी भाजपा के संकल्पों पर क्रियान्वयन का सूचक है। श्री बजाज ने कहा कि कांग्रेस ने अयोध्या धाम में राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का आमंत्रण ठुकराकर अपने वास्तविक चरित्र को उजागर कर दिया है। यूँ भी श्री राम जन्मभूमि के मामले में कांग्रेस का रवैया सदैव हिन्दुत्व और सनातन विरोधी रहा है। यही वजह है कि कांग्रेस धीरे-धीरे देश की मुख्य धारा से कटती जा रही है।

विकास कार्यों का दिखना चाहिए परिणामः डॉ. रमन सिंह

विधानसभा अध्यक्ष ने राजनांदगांव जिले के विकास कार्यों की समीक्षा की

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने राजनांदगांव के कलेक्टोरेट सभाकक्ष में वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट हेतु प्रस्तावित निर्माण कार्यों के संबंध में समीक्षा बैठक ली। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि शुरूआती दौर में सभी विभागों से राजनांदगांव जिला एवं शहर के विकास एवं जनहित कार्यों के लिए प्रस्ताव पर चर्चा की गई है। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करें, जिसका परिणाम दिखाई देना चाहिए। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल के निराकरण के लिए कलेक्टर को बैठक लेने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने पेयजल की समस्या के समाधान तथा बजट में आवश्यकता अनुरूप प्रावधान करने हेतु प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए 6 माह की कार्ययोजना बना लें। धीरी परियोजना में संशय की स्थिति नहीं होना चाहिए। इसके लिए निर्णय लेते हुए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

विधानसभा अध्यक्ष ने सड़कों के

संबंध में प्राथमिकता तय करने के लिए कहा। जो सड़कें पहले से बनी हैं, उनके मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य प्राथमिकता से करें। उन्होंने शहर में शराब, जुआ एवं अपराध पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए सतत एवं सजग रहते हुए कार्य करें। उन्होंने जिले के विकास के लिए बजट में जो प्रावधान हो सकते हैं, उन्होंने उसके संबंध में निर्देशित किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने राजनांदगांव शहर में रायपुर की तर्ज पर नालंदा परिसर बनाए जाने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने टेड़ेसरा में 33/11 केवी सब स्टेशन का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने राजनांदगांव पेण्ड्री मेडिकल कॉलेज में सिटी स्कैन मशीन, एमआरआई मशीन एवं अन्य जीवन रक्षक उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए तथा मेडिकल कालेज की आवश्यकता अनुरूप प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए कहा। साथ ही उन्होंने बैडमिंटन कोर्ट में एलईडी लगाने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए कहा।

कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट हेतु प्रस्तावित निर्माण कार्यों के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर पूर्व सांसद श्री मधुसूदन यादव और पूर्व सांसद श्री अभिषेक सिंह, श्री खूबचंद पारख, श्री संतोष अग्रवाल, श्री सचिन बघेल, श्री रमेश पटेल, अन्य जनप्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा मोदी की गारंटी, गाड़ी के साथ-साथ पहुँच रही है गाँवों में खुशियाँ

■ **निःशुल्क स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से ग्रामीण हो रहे हैं अपने स्वास्थ्य के लिए जागरूक**

रायपुर। जिले में रोज की भांति आज गुरुवार को भी 16 ग्राम पंचायतों में विकसित भारत संकल्प यात्रा अंतर्गत ग्रामीणों को लाभान्वित करने के लिए शिविर आयोजित किये गए. शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के साथ ही निःशुल्क स्वास्थ्य केंद्र लगाकर ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच भी की जाती है। इसके अलावा उन्हें गाँव में मुख्यतः होने वाली बीमारियों के बारे में जानकारी देते हुए उनसे बचने की सलाह और निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की जा रही हैं. शिविर के आयोजन से ग्रामीणों में अपने स्वास्थ्य की चिंता और स्वस्थ रहने की ललक दिखाई देने लगी है। स्वास्थ्य विभाग केंद्र में स्वास्थ्य जांच करवाने हेतु ग्रामीणों की भीड़ लगी होती है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि ''विकसित भारत संकल्प यात्रा'' के तहत आयोजित शिविर में ग्रामीणों की बी.पी., टी.बी., सिकल सेल, शुगर और हाइपर टेंशन की जांच की जाती है। उन्होंने यह भी बताया की जांच के साथ ही सर्दी, खांसी, बुखार, उल्टी, दस्त, सरदर्द, बदन दर्द, बी.पी., शुगर इत्यादि की दवा ग्रामीणों को मुफ्त दी जाती है। इसके अलावा ''मोदी की गारंटी'' गाड़ी में आकर्षक गीत एवं वीडियो के माध्यम से ग्रामीणों को केंद्र सरकार की योजनाओं और स्वास्थ्य विभाग की

योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाती है। अधिकारियों ने बताया कि शिविर में आयुष्मान भारत योजना और अन्य जन आरोग्य योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाती है जिसमें जरुरतमंदो को 5 लाख रूपये तक का हेल्थ कवर मिलता है।

'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के दौरान ग्राम कोसरंगी मे भारत सरकार के माध्यम से स्थानीय किसानों को आधुनिक और उन्नत तकनीक के साथ जोड़ने का संकेत दिया गया। ड्रोन डेमोन्स्ट्रेशन में गाँव के किसानों को यह बताया गया कि कृषि ड्रोन किस प्रकार से खेती के कई कार्यों में सहायक हो सकता है। इस दौरान ड्रोन द्वारा खेत में पेस्टिसाइड छिड़काव करने का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने अपने सवाल भी पूछे जिसपर ड्रोन ऑपरेटर ने बताया कि ड्रोन के उपयोग से न केवल काम की गति में तेजी आएगी वहीं किसानों का समय भी बचेगा। जहां मानवीय तरीके से एक एकड़ में दवाई डालने में पूरा दिन लग जाता है वहीं ड्रोन की मदद यह कार्य मात्र 15 मिनट में पूरा किया जा सकता है।

सड़क सुरक्षा माह का आयोजन 15 जनवरी से

रायपुर। प्रदेश में नागरिकों और सड़क उपयोगकर्ताओं को सड़क सुरक्षा की गंभीरता और चुनौती के बारें में जागरूक करने के लिये सड़क सुरक्षा माह का आयोजन 15 जनवरी से 14 फरवरी तक किया जा रहा है। सड़क सुरक्षा माह के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, लोक निर्माण, नगरीय प्रशासन, परिवहन, पुलिस विभाग, एन.सी.सी. एवं एन.एस.एस, स्काउट गाइड्स सहित स्वंयसेवी/समाजसेवी संस्थाओं द्वारा विभिन्न विभागों के समन्वय एवं सहयोग से सड़क उपयोगकर्ताओं, विशेष रूप से वाहन चालकों, विद्यार्थियों का प्रशिक्षण, कार्यशाला, सेमीनार, नेत्र जांच शिविर सहित सड़क सुरक्षा कार्यक्रमों से आयोजन होगा। लोगों को सड़क सुरक्षा की समस्याओं और समाधान का प्रचार-प्रसार सड़क दुर्घटना में होनें वाली मृत्यु एवं घायलों की संख्या कम करने के उदेश्य से किया जा रहा है।

अंतर्विभागीय लीड एजेंसी सड़क सुरक्षा के अध्यक्ष श्री संजय शर्मा ने जानकारी दी है कि सड़क सुरक्षा माह 2024 के दौरान जनजागरूकता हेलमेट

रैली, सड़क सुरक्षा पर, वाहन चालकों का प्रशिक्षण, स्वास्थ्य परीक्षण, आंखों की जांच, स्कूल दिवस में स्कूली बच्चों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने स्लोगन, निबंध, चित्रकला, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजना करना, ई-रिक्शा वाहन चालकों का प्रशिक्षण, बस वाहन चालकों का प्रशिक्षण, गणतंत्र दिवस समारोह में सड़क सुरक्षा पर झांकी एवं बैनर पोस्टर फ्लैक्स, एम्बुलेंस ड्रायविंग ट्रेनिंग, वाहनों का फिटनेस, रेडियम स्ट्रीप्स आदि की जांच एवं संधारण, शराब सेवन कर वाहन चालन से नुकसान पर कार्यक्रम का आयोजन होगा। ग्राम चौपाल में जन जागरूकता, गंभीर सड़क दुर्घटना स्थलों को चिन्हित करना, सड़क सुरक्षा मितानों का प्रशिक्षण, युवाओं के लिये एरोबिक्स जुम्बा के माध्यम से स्वस्थ शरीर रखे प्रोत्साहन स्वरूप टाफी वितरण सहित स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप विविध कार्यक्रम आयोजित होगे। इस संबंध में राज्य के सभी जिलों के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षकों से अनुरोध किया गया है।

स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने की घोषणा

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन छत्तीसगढ़ में बंद रहेंगे स्कूल-कॉलेज

रायपुर। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर देशभर में लोग काफी उत्साहित हैं। इस अवसर पर भगवान राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ में प्राण प्रतिष्ठा के दिन यानी 22 जनवरी को प्रदेश के स्कूल और कॉलेजों में छुट्टी रहेगी।

इस संबंध में स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने घोषणा की है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के तहत छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को श्रीरामलला दर्शन योजना के तहत अयोध्या ले जाया जाएगा। इसके लिए छत्तीसगढ़ सरकार रेलवे विभाग से अनुबंध कर एक ट्रेन बुक करेगी जो हफ्ते में एक दिन चलेगी। जिसमें एक बार में 850 से 1000 श्रद्धालु अयोध्या

प्रभु श्रीराम के दर्शन करने जाएंगे। ट्रेन में बुजुर्गों और दिव्यांगों का विशेष ध्यान रखा जाएगा। उनके साथ सहायक को जाने की जाने की अनुमति होगी। साथ ही डॉक्टर भी तैनात किया जाएगा। साथ ही जिस जिले के श्रद्धालु जाएंगे, वहां को कोई जानकार व्यक्ति भी जायेगा। श्रद्धालुओं के रहने और खाने की व्यवस्था शासन की रहेगी।

मंत्री अग्रवाल ने कहा है कि अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी के ऐतिहासिक पल को यादगार बनाने के लिए छत्तीसगढ़ के सभी जिलों और ब्लॉक स्तर पर प्रमुख मंदिरों में सुबह आरती, पूजा और भजन का आयोजन होगा, वहीं इस दिन शाम नदी या तालाब के किनारे गंगा आरती का आयोजन किया जाए और रौशनी की जाएगी। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति के अवसर पर राजधानी रायपुर के पुरखौती मुक्तांगन परिसर में भव्य पतंग उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए राज्य के साथ-साथ अन्य राज्यों के भी पतंगबाजों को आमंत्रित किया जाएगा। पतंग महोत्सव को भव्य और आकर्षक रूप देने के लिए दर्शकों और आम नागरिकों के लिए लोक कलाकारों द्वारा गीत-संगीत का भी आयोजन किया जाएगा।

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के दिन पूरे छत्तीसगढ़ के मंदिरों में पूजा-अर्चना और गंगा आरती का होगा आयोजन

राजिम में मंदिर परिसर में भव्य कॉरिडोर के लिए कॉन्सेप्ट प्लान बनाने के निर्देश

रायपुर। संस्कृति मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा है कि अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी के ऐतिहासिक पल को यादगार बनाने के लिए छत्तीसगढ़ के सभी जिलों और ब्लॉक स्तर पर सभी प्रमुख मंदिरों में सुबह आरती और पूजा का आयोजन होगा, वहीं इस दिन शाम को गंगा आरती का आयोजन किया जाए। साथ ही इस मौके पर रा'य के सभी शासकीय भवनों में आकर्षक रौशनी की व्यवस्था की जाए। वे आज नया रायपुर अटल नगर स्थित महानदी भवन में संस्कृति और पर्यटन विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। संस्कृति मंत्री श्री अग्रवाल ने बैठक में विभागीय अधिकारियों को श्री रामलला दर्शन योजना में प्रदेशवासियों को अध्योया ले जाने के लिए व्यवस्थित और सुविधापूर्ण कार्ययोजना भी तैयार करने कहा।

गौरतलब है कि आज आयोजित केबिनेट बैठक में प्रदेशवासियों को श्री रामलला के दर्शन कराने के लिए 'श्री रामलला दर्शन योजना' प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है। इस योजना में 18 से 75 आयु वर्ग के लोगों को श्री रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या की यात्रा करायी जाएगी। संस्कृति मंत्री श्री अग्रवाल ने उ'जैन और बनारस में बनाये गए भव्य कॉरीडोर की तर्ज पर राजिम मंदिर परिसर को विकसित करने के लिए भव्य कॉरीडोर निर्माण के बारे में अधिकारियों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि राजिम मंदिर परिसर के भव्य आकर्षक और गरिमामय ढंग से विकसित करने के लिए कॉरीडोर बनाने के दिए कॉन्सेप्ट प्लान बनाने के काम शुरू किया जाए। राजिम कुंभ की तैयारियों और इसके व्यवस्थित आयोजन को लेकर अधिकारियों से चर्चा की और राजिम कुंभ के भव्य आयोजन के लिए पर्यटन, धर्मस्व और संस्कृति विभाग को मिलकर काम करने के निर्देश दिए।

संस्कृति मंत्री श्री अग्रवाल ने चारधाम यात्रा की तर्ज पर छत्तीसगढ़ के महत्वपूर्ण धार्मिक आस्था के केन्द्रों को शक्तिपीठ परियोजना के तहत विकसित करने कहा। उन्होंने यह भी कहा कि सूरजपुर के कुदरगढ़, चन्द्रपुर के चन्द्रहासिनी मंदिर, रतनपुर के महामाया मंदिर, डोंगरगढ़ के बम्लेश्वरी मंदिर और दंतेवाड़ा के दंतेश्वरी मंदिर में इस योजना के तहत विभिन्न सुविधाओं के विकास के लिए कार्ययोजना तैयार कर चरणबद्ध ढंग से सुविधाएं विकसित करने का काम किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को गरियाबंद जिले के भूतेश्वर महादेव, जतमई घटारानी जलप्रपात, शिवमहापीठ, सिरकट्टी आश्रम और कोपरा के कोपेश्वर महादेव को ट्रॉयबल परिपथ के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए।

कबोडिया में मनोज और शीतल राठी हुए सम्मानित

रायपुर। 4 से 8 जनवरी तक भारतीय जीवन बीमा निगम के सर्वोच्च क्लब कॉरपोरेट क्लब का सम्मेलन कंबोडिया में हुआ जहां प्रबंध निदेशक सतपाल भानु ने भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा 03 के अभिकर्ता श्री मनोज कुमार राठी एवं शीतल राठी को सम्मानित किया। इस सम्मेलन में पूरे भारतवर्ष से 325 अभिकर्ताओं ने भाग लिया। मनोज कुमार राठी अधिक समय से कॉरपोरेट क्लब में रायपुर मंडल का प्रतिनिधित्व कर रहे है उनकी इस उपलब्धि पर वरिष्ठ मंडल प्रबंधक श्री अशोक ठाकुर, विपणन प्रबंधक शशांक सालोदकर प्रबंधक विक्रय दिलीप सीथा जी शाखा प्रबंधक श्री एस के सिंह सहायक शाखा प्रबंधक दीपक प्रकाश कंवर ने उन्हें बधाई दिया।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, सेतु मण्डल रायपुर (छ.ग.)

ज्ञाप क्र. 92/ / सा/ 2023 रायपुर दिनांक 10/01/2024

निविदा सूचना (प्रथम आमंत्रण)

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

एन.आई.टी. क्र./सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4
25/151287	धमतरी-सिहावा मार्ग के कि.मी. 5/4 पर महानदी पुल में बी.टी. पेंच मरम्मत एवं बी.सी. का कार्य	रु. 36.40 लाख	23.01.2024 समय-17.30

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://eproc.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है।

जी-07058/5

अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि. सेतु मणडल, रायपुर (छ.ग.)

नॉकआउट राउंड में छत्तीसगढ़ मार्बल और टाईल्स व्यावसायिक संघ ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल, कैट सी.जी.चेप्टर के प्रदेश अध्यक्ष जीतेन्द्र दोशी, महामंत्री सुरिन्दर सिंह, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि चेंबर प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के तीसरे दिन भी प्रतिभागी टीमों ने अपना दमखम दिखाया । मैच के दौरान खिलाडियों के चेहरे पर कहीं चमक तो कहीं मायूसी दिखी। जैसे जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ रही है नए नए रिकार्ड्स बन रहे हैं । छत्तीसगढ़ मार्बल एवं टाईल्स व्यावसायिक संघ ने लगातार

दो मैच जीतकर क्वार्टर फ़ाइनल में अपनी जगह बनाई।

नॉकआउट राउंड के तीसरे दिन के पहले मैच में श्री राम थोक सब्जी विक्रेता संघ ने रायपुर मशीनरी मर्चेंट एसोसिएशन को 29 रनों से हराया। श्री राम थोक सब्जी विक्रेता समिति के टूकेश महेश्वरी ने अर्द्धशतक जड़ते हुए 71 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द मैच एवं बेस्ट बेटर रहे, वहीं बलदेव 2 ओवर में 3 विकेट लेकर बेस्ट बॉलर।

नॉकआउट राउंड के दूसरे मैच में छत्तीसगढ़ मार्बल एवं टाईल्स व्यावसायिक संघ ने रायपुर प्लाईवूड ट्रेडर्स एसोसिएशन को 10 ओवर में 6 विकेट खोकर 135 रनों का लक्ष्य दिया बदले में रायपुर प्लाईवूड ट्रेडर्स एसोसिएशन 10 ओवर में 110 बनाकर आल आउट हो गई।

छत्तीसगढ़ मार्बल एवं टाईल्स व्यावसायिक संघ के पंकज बजाज अर्द्धशतक जड़ते हुए 56 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द मैच एवं बेस्ट बेटर रहे, अनमोल गोलछा 2 ओवर में 18 रन देकर 2 विकेट झटके और बेस्ट बॉलर का ख़िताब अपने नाम किया।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड कोण्डागांव जिला-कोण्डागांव (छ.ग.)

(Phone no.7786-296071, Email id-eekon-phe-cg@gov.in)

ऑनलाईन निविदा संशोधन सूचना क्रमांक-01 जी क्रमांक-06408

इस कार्यालय द्वारा नीचे दर्शित कॉलम अनुसार निम्नलिखित ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना में अपरिहार्य कारणों से निविदा के शर्तों में आंशिक संशोधन नियमानुसार किया जाता है। विवरण निम्नानुसार है:-

स.क्र.	निविदा क्रमांक एवं दिनांक	सिस्टम निविदा क्रमांक	ग्राम का नाम	संशोधित नियम व शर्ते
01	79,80,81,82,84,85,86 87,88,89/11.12.2023	149886,149887,149889 149898,149906,149909 149910,149911,149912 150001	तोसकापाल,कुम्हारबड़गांव लखनपुरी,कुधुर चिचाड़ी-2, सण्डसा-2 छोटेसोंहगा-2,केवटी-2 बड़बत्तर-2, झांकरी	उक्त निविदा की भौतिक दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 27.12.2023 निर्धारित थी, परंतु कारणवश उक्त निर्धारित तिथि में आंशिक संशोधन 28.12.2023 तक कार्यालय में स्वीकार किये जायेंगे।

उक्त निविदा की शर्तें नियम व शर्तें यथावत रहेगी।

जी-07055/5

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
कोण्डागांव (छ.ग.)

मालदीव के मंत्रियों की हरकत पर चुप रही कांग्रेस

नीरज कुमार दुबे

मालदीव के तीन मंत्रियों ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ टिप्पणी की तो सारे देशवासी अपने प्रधानमंत्री के साथ खड़े हो गये। क्या आम और क्या खास...हर कोई प्रधानमंत्री मोदी के समर्थन में प्रतिक्रिया देता दिखा। यही नहीं, विदेशी सरकारों के प्रतिनिधियों के बयान भी भारत और हमारे प्रधानमंत्री के समर्थन में आने लगे। साथ ही साथ मालदीव का भी पूरा विपक्ष भारत और हमारे प्रधानमंत्री के समर्थन में खड़ा हो गया। भारत के प्रधानमंत्री के खिलाफ बयानबाजी से नाराज मालीदव के विपक्षी दलों ने अपनी ही सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की बात तक कह डाली लेकिन यह वाकई दुर्भाग्यपूर्ण रहा कि हमारे देश का विपक्ष भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में खड़ा नहीं हुआ। यह सही है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच वैचारिक मतभेद होते हैं लेकिन जब बात देश पर आये और देश के संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों पर कोई हमला करे तो सभी को राजनीतिक स्वार्थ से ऊपर उठना ही चाहिए। ऐसा नहीं है कि भारत के प्रधानमंत्री पर किसी अन्य देश के नेता की ओर से पहले कभी हमला नहीं किया गया था। लेकिन जब भी ऐसा हुआ, भारतवासियों ने एकजुटता दिखाते हुए सामने वाले पर पलटवार किया। लेकिन आज का विपक्ष सत्ता के लिए ऐसा लोलुप नजर आ रहा है कि उसे इस बात का भय हो गया है कि कहीं वह यदि देश के साथ खड़ा हो गया तो उसे सरकार के साथ खड़ा होना ना मान लिया जाये। यह सही है कि लोकसभा चुनाव निकट हैं और प्रधानमंत्री की तारीफ करना या उनके समर्थन में खड़ा होने से विपक्ष बचना चाहेगा लेकिन विपक्ष को मौके की नजाकत को देखते हुए आचरण करना चाहिए था। विपक्ष को राष्ट्र हित और दल हित में अंतर समझना चाहिए था। राष्ट्र हित और दल हित में क्या अंतर होता है इसके लिए आपको 2013 का उदाहरण देखना चाहिए। उस समय पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को देहाती औरत बता कर राजनयिक विवाद खड़ा कर दिया था। दरअसल नवाज शरीफ ने एक पाकिस्तानी पत्रकार से बातचीत करते हुए कहा था कि मनमोहन सिंह ने अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा से मेरी शिकायत एक देहाती औरत की तरह की। उस समय भी भारत में आज की तरह ही चुनावी माहौल था। उस समय का विपक्ष चाहता तो चुप रहता लेकिन गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री और भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी ने नवाज शरीफ की ओर से डॉ. मनमोहन सिंह के खिलाफ की गयी टिप्पणी पर सख्त एतराज जताया था और एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि नवाज शरीफ तुम्हारी हिम्मत कैसे हो गयी हमारे देश के प्रधानमंत्री को देहाती औरत कहने की? मोदी ने तब कहा था कि भारत के प्रधानमंत्री की इससे ज्यादा बड़ी बेइज्जती नहीं हो सकती। मोदी ने कहा था कि हम नीतियों के आधार पर एक दूसरे का विरोध करते हैं लेकिन इस तरह की हरकत को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा था कि सवा सौ करोड़ भारतीयों का यह देश अपने प्रधानमंत्री की बेइज्जती को बर्दाश्त नहीं करेगा। लेकिन अगर मालदीव के तीन मंत्रियों की ओर से भारतीय प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ की गयी टिप्पणियों पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया की बात करें तो वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण रही। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि 2014 से जबसे मोदी सत्ता में आये हैं तबसे वह हर बात को व्यक्तिगत रूप में ले लेते हैं। उन्होंने कहा है कि पड़ोसियों के साथ हमें सौहार्द्रपूर्ण संबंध बना कर रखने चाहिए। बहरहाल, कांग्रेस हो या उसके गठबंधन में शामिल अन्य पार्टियां, यह सही है कि आजकल यह सभी दल सीटों के बंटवारे पर चर्चा करने में मशगूल हैं लेकिन थोड़ा समय निकाल कर उन्हें देश को दिखाना चाहिए कि जब कोई भारत की संप्रभुता के खिलाफ बोलेगा, जब कोई भारत के संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ बोलेगा तो सारा देश एक स्वर में जवाब देगा।

चीन की शह पर भारत विरोधी मालदीव

केएस तोमर

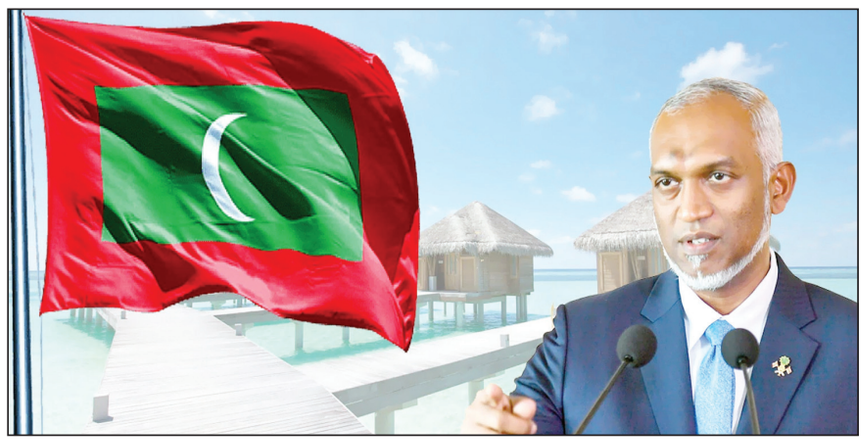

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लक्षद्वीप दौरे पर मालदीव के तीन मंत्रियों की आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद दोनों देशों के बीच पहले से ही खराब चल रहे रिश्ते को बड़ा झटका लगा है। सोशल मीडिया पर बॉयकॉट मालदीव ट्रेंड कर रहा है। मालदीव के विपक्षी नेताओं ने भी उन टिप्पणियों की जमकर आलोचना की है। हालांकि मालदीव सरकार नुकसान की भरपाई करने में जुट गई है और टिप्पणी करने वाले मंत्रियों मरियम शिउना, मालशा शरीफ और महजूम माजिद को निलंबित कर दिया है, लेकिन इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि मौजूदा मालदीव सरकार का रुख भारत विरोधी रहा है, जिसे चीन से समर्थन मिलता है। बीजिंग ने अभी मालदीव के 1,200 द्वीपों में 17 को पट्टे पर लिया हुआ है, जो पूरे मालदीव में फैले हुए हैं और चीन की तीन सबसे बड़ी परियोजनाओं की लागत कुल मिलाकर 1.5 अरब डॉलर है, जो मालदीव की जीडीपी के 40 फीसदी से ज्यादा है। मालदीव में चीन का निवेश 97 करोड़ डॉलर को पार कर गया है, जिसे चुकाना मालदीव जैसे गरीब देश की क्षमता से बाहर है। फिर भी मौजूदा मुइज्जू सरकार भारत के प्रभाव को घटाने और चीन के प्रभाव को बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

मालदीव में चीन के प्रभाव को कम करने के लिए भारत ने 50 करोड़ डॉलर की सबसे बड़ी नागरिक बुनियादी ढांचा परियोजना की घोषणा करने का तार्किक कदम उठाया, जिसके तहत 6.7 किलोमीटर लंबा पुल और सड़क बनेगी, जो मालदीव की राजधानी माले को तीन नजदीकी द्वीपों से जोड़ेगी। इस तरह से भारत लंबाई, पैमाने और लागत के मामले में 20 करोड़ डॉलर की लागत से बने मालदीव-चीन मैत्री पुल को पीछे छोड़ देगा। लेकिन चीन के प्रति मुइज्जू के झुकाव को देखते हुए भारत का चिंतित होना स्वाभाविक है, जिन्होंने अभी हिंद महासागार द्वीप समूह में तैनात भारतीय सैनिकों को लौटाने का फैसला किया है। यह मुख्यत: मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह की 'भारत पहले' की नीति को पलटने के उद्देश्य से उठाया गया कदम है। इसके अलावा मुइज्जू सरकार ने एक और भारत-विरोधी निर्णय के तहत हाइड्रोग्राफी (जल सर्वेक्षण विज्ञान) के क्षेत्र में भारत के साथ सहयोग के सहमति पत्र के नवीनीकरण के खिलाफ फैसला लिया है। सिर्फ मालदीव में ही नहीं, बल्कि नए वर्ष में भारतीय विदेश नीति के समक्ष कई चुनौतियां हैं। चीन अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका सहित दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) के देशों में तेजी से अपनी पैठ बना रहा है, जिसके लिए इसकी खतरनाक कर्ज-जाल नीति, विस्तारवाद और बीआरआई के माध्यम से दिए जा रहे प्रलोभन को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। विदेश नीति के विशेषज्ञों का मानना है कि भारत एशिया में खुद को चीन की तुलना में एक प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है, हालांकि दोनों के बीच बहुत बड़ा अंतर है। लेकिन अमेरिका के साथ बढ़ते भू-राजनीतिक सहयोग से वह चीन को मात दे सकता है। भारत के साथ अमेरिका का रक्षा और आर्थिक सहयोग दोनों देशों के रिश्ते को और मजबूत करेगा, जिसका असर वैश्विक मंच पर हो सकता है।

चीन की कर्ज जाल नीति में पाकिस्तान पूरी तरह से फंस चुका है, जिससे निकट भविष्य में निकलना उसके लिए असंभव है। आगामी फरवरी में पाकिस्तान में होने वाले आम चुनाव से राजनीतिक परिदृश्य बदल सकता है, क्योंकि नवाज शरीफ के सत्ता में लौटने की संभावनाएं बन रही हैं। नवाज शरीफ ने भारत के साथ रिश्ते सामान्य बनाने की इच्छा जताई है। चीन नेपाल का सबसे बड़ा निवेशक और व्यापार भागीदार के रूप में उभरा है, जिसने दोनों देशों के आर्थिक एवं कूटनीतिक रिश्तों को बदल दिया है। चीन ने नेपाल में 1.34 अरब डॉलर का निवेश किया है और बीआरआई के क्रियान्वयन के लिए दबाव बना रहा है। नेपाल भारत के लिए बहुत प्रासंगिक है, लेकिन ओली सरकार ने भारत के साथ सदियों पुराने रिश्तों को बिगाड़ दिया था, जिसे मौजूदा प्रधानमंत्री प्रचंड ने सुधारने की बहुत कोशिश की है। अब भारत ने कई आर्थिक पहल की है, जिनमें दीर्घकालीन व्यापार समझौता, बिजली की खरीद और पारगमन संधि, आदि हैं, जो द्विपक्षीय रिश्तों को नया आयाम दे सकते हैं। भारत को बीआरआई की किसी भी प्रगति पर नजर रखनी होगी, क्योंकि 1,770 किलोमीटर की खुली सीमा के कारण सुरक्षा जोखिम होगा।

हम्बनटोटा में चीन ने 4.5 अरब डॉलर का निवेश किया था, जिसने नई दिल्ली के लिए सुरक्षा चिंताएं पैदा कर दी थीं। लेकिन श्रीलंका जब आर्थिक पतन के कगार पर था, तो चीन उसकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। ऐसे में, भारत को उदारता दिखाने का मौका मिला। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत के साथ श्रीलंका का मौजूदा दोस्ताना रवैया जारी रह सकता है, क्योंकि भारत ने खुले दिल से सहयोग किया और चार अरब डॉलर से अधिक की वित्तीय सहायता दी, जो अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के तीन अरब डॉलर के राहत पैकेज से ज्यादा है। भारत को श्रीलंका से रिश्ते और बेहतर बनाने के लिए कदम उठाने चाहिए। बांग्लादेश में भारत समर्थक शेख हसीना फिर से सत्ता में लौट आई हैं। चीन ने हमेशा बांग्लादेश में गहरी दिलचस्पी दिखाई है, जो 2016-22 के दौरान 26 अरब डॉलर के निवेश से स्पष्ट है। आंकड़े बताते हैं कि बांग्लादेश में चीन सबसे बड़ा निवेशक बनकर उभरा है और वह अब वहां अपना निवेश और बढ़ा सकता है।

चीन ने म्यांमार में जातीय विद्रोही गुटों का समर्थन करने के अलावा वहां तानाशाही का पूरा समर्थन किया है। अमेरिका और उसके सहयोगी देश यूक्रेन और गाजा के युद्ध में व्यस्त हैं, जिससे तानाशाही शासकों को लोकतांत्रिक ताकतों को कुचलने की छूट मिल गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को चीन की %दो महासागरीय रणनीति% और बीआरआई व अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के खेल पर नजर रखनी होगी। भूटान के रिश्ते भारत से अच्छे हैं, लेकिन चीन के बढ़ते प्रभाव से सुरक्षा का खतरा पैदा हो सकता है। भारत को भूटान को चीनी प्रलोभनों से दूर रखना होगा। विश्लेषकों का मानना है कि सार्क देशों में चीन का बढ़ता प्रभाव भारत के लिए चिंताजनक है। इसलिए उसे नियंत्रण में रखने के लिए ठोस रणनीति अपनाने की आवश्यकता है, अन्यथा परिणाम गंभीर होंगे।

कृपया इनसे सीखें

भागीरथी प्रयास

समाज शेखर

पता नहीं, क्यों मेरे पिता मुझे डॉक्टर बनना चाहते थे? जबकि मेरा मन शुरु से ही उनकी तरह समाज को बेहतरी के लिए रचनात्मक योजनाएँ बनाने में रमता था। मेरे पिता नेहरू युवा केंद्र से जुड़े थे और विभिन्न स्तर पर सरकारी योजनाओं को जमीन पर उतारने का काम करते थे। फिर भी मैंने अपने पिता की इच्छानुसार बीएमएस की पढ़ाई पूरी की। कई कारणों की वजह से छह साल के इस कोर्स को पूरा करने में मुझे दस साल लग गए। मैं उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के एक गाँव का रहने वाला हूँ। डॉक्टरी की सुस्त पढ़ाई के दौरान मैं गाँव में कुछ-न-कुछ करता रहता था। यही वजह रही कि डॉक्टरी की डिग्री लेने के बावजूद मुझे गाँव की सीमा के पास स्थित भयहरणनाथ धाम की प्रबंध समिति का नेतृत्व करने का मौका मिला। वैसे तो मैं बहुत ज्यादा धार्मिक व्यक्ति नहीं हूँ, पर धर्म की मदद से यदि समाज का भला हो सकता है, तो मुझे पुजारी बनने में भी कोई हर्ज नहीं। मुझे जिस मंदिर का पदाधिकारी बनाया गया था, उसके ठीक सामने एक पौराणिक तालाब हुआ करता था, जिसे भूमि सुधार के सरकारी भ्रष्टाचार की मदद से पाट दिया गया था। मेरे पिता के कई दोस्त घर पर आते रहते थे। संयोगवश एक बार मेरे पिता के एक दोस्त का घर पर आना हुआ, जो पानी के क्षेत्र में काम कर रहे थे। मुझे उनका काम बेहद अच्छा लगा। पिता के इन्हीं दोस्त के विचारों से प्रभावित होकर मैंने उस पटे तालाब को फिर से जीवित करने का बीड़ा उठाया। इसके लिए मैंने अपनी समिति के लोगों की मदद ली। सामूहिक प्रयास से हमने उस तालाब को न सिर्फ दोबारा जिंदा किया, बल्कि यह व्यवस्था भी बनाई, जिसमें मंदिर के शिवलिंग पर चढ़ाया जाने वाले पानी की एक-एक बूँद उसी तालाब में गिरे। इस उपलब्धि के बाद मेरी हिम्मत में इजाफा हुआ, इसके बाद मेरी नजर गाँव के मुहाने से गुजरने वाली बकुलाही नदी धारा की दुर्दशा पर पड़ी। दरअसल वर्षों पहले सिंचाई विभाग ने इस नदी को लूपधारा को बाढ़ की वजह से बंद कर दिया था। लेकिन समय गुजरने के साथ नदी धारा का सुखापन हमारे इलाके के लिए अभिशाप बनता गया। विरोध-प्रदर्शन के बावजूद प्रशासन ने नदी को पुरानी स्थिति में लाने में हाथ खड़े कर दिए थे। 18 किलोमीटर पुरानी नदी के मार्ग में कई बाधाएँ आ गई थी। मैंने प्रशासन और इलाके के बाशिंदों से इस समस्या को लेकर कई दौर की बातचीत की। आखिरकर मैंने फैसला किया कि नदी की पुरानी धारा में पानी लाने के लिए हमें खुद ही जमीन पर उतरना पड़ेगा। मैंने लोगों को इस भागीरथी प्रयास का भागीदार बनाया और फावड़ा लेकर नदी की बाधाएँ, हटाने में जुट गया। बाद में प्रशासन ने भी हमारा साथ दिया और उसकी और से जेसीबी मशीनें लगा दी गई।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

प्राणाग्निहोत्रोपनिषद् (भाग-2)

गतांक से आगे...

सतत हरी-भरी बनी रहने वाली ओषधि मेरे द्वारा बाँधी जा रही है अर्थात् ग्रहण की जा रही है। आयु क्षीण करने वाले तत्त्वों से वह हमें संरक्षण प्रदान करे। हे अन्न के पति अग्निदेव! आप हम सभी के लिए आरोग्य-प्रद एवं पोषण युक्त अन्न की व्यवस्था करें। दानी मनुष्यों को भली-भाँति पोषित करें। हमारे पुत्र-पौत्रादि एवं पशुओं के लिए भी अन्न प्रदान करें।

जो अन्न अग्नि के द्वारा प्रजा के निमित्त रुद्रों अथवा पिशाचों से प्राय: बचाकर रखा जाता है, उस कल्याणकारी अन्न को ईशानदेव दोषमुक्त बनाएँ, उन ईशानदेव भगवान् शिव को यह आहुति समर्पित है। मंत्र सं0 2 से 7 तक के मन्त्रों द्वारा अन्न का स्पर्श करके उसे अभिमन्त्रित करें। तदनन्तर हाथ में जल लेकर मंत्र क्र0 8 व 9 क्रमश: अन्तश्चरसि .... एवं आप: पुनन्तु.... इन दो मन्त्रों से अभिमन्त्रित कर अन्न का प्रोक्षण करें-प्राणियों के हृदय में सर्वत्र व्याप्त होकर स्थित रहते हुए निरन्तर भ्रमण करने वाले तुम ही यज्ञ, ब्रह्मा, विष्णु, वषट्कार, आप:, ज्योति, रस, अमृत, ब्रह्म, भू:, भुव: एवं स्व: स्वरूप हो, तुम्हें नमन है। हे आप: (जल) ! आप पृथ्वी को पवित्र करें तथा शुद्ध हुई जो पृथ्वी है, वह मुझे पवित्रता प्रदान करे। ब्रह्मपूत पृथ्वी मुझे पवित्रता प्रदान करे। जो उच्छिष्ट, अभक्ष्य अथवा दुश्चरित्रता मेरे में सन्निहित हो, उन सबको हटाकर जल देवता हमें पवित्र बना दें, इस निमित्त यह आहुति समर्पित है। अपानाय स्वाहा। व्यानाय स्वाहा। उदानाय स्वाहा। समानाय स्वाहा। ब्रह्मणे स्वाहा। (इस प्रकार उपर्युक्त मन्त्रों से प्रोक्षण करके दो बार जलाभिषेक करने के बाद बायें हाथ से वेदिका का स्पर्श करते हुए दाहिने हाथ में ग्रहण कर) अमृतमस्यमृतोपस्तरणमसि (हे जल! तुम अमृत स्वरूप हो, तुम अमृत स्वरूप आच्छादन हो) यह कहते हुए उसे पीकर अमृतं प्राणे जुहोम्यमाशिष्यान्तोऽसि (अमृतोपम होम करने के योग्य पदार्थ का आस्वादन प्राप्त कर लिया गया है।) यह कहकर अपनी आत्मा का अनुसंधान करते हुए प्राण में आहुतियाँ समर्पित करे।

क्रमश: ..

स्वामी विवेकानन्द

प्रह्लाद सबनानी

स्वामी विवेकानन्द का जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकत्ता में हुआ था। आपका बचपन का नाम नरेंद्र नाथ दत्त था। बचपन से ही आपका झुकाव आध्यात्म की ओर था। आपने श्री रामकृष्ण परमहंस से दीक्षा ली थी एवं अपने गुरु जी से बहुत अधिक प्रभावित थे। आपने बचपन में ही अपने गुरु जी से यह सीख लिया था कि सारे जीवों में स्वयं परमात्मा का अस्तित्व है अत: जरूरतमंदों की मदद एवं जन सेवा द्वारा भी परमात्मा की सेवा की जा सकती है। अपने गुरुदेव श्री रामकृष्ण परमहंस की मृत्यु के पश्चात स्वामी विवेकानंद जी ने भारतीय उपमहाद्वीप के देशों में विचरण, यह ज्ञान हासिल करने के उद्देश्य से, किया था कि ब्रिटिश शासनकाल में इन देशों में निवास कर रहे लोगों की स्थिति कैसी है। कालांतर में वे स्वयं वेदांत के विख्यात और प्रभावशाली आध्यात्मिक गुरु बन गए थे। आपको वर्ष 1893 में शिकागो, अमेरिका में आयोजित की जा रही विश्व धर्म महासभा में भारत की ओर से सनातन धर्म का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला था। विश्व धर्म महासभा में स्वामी विवेकानंद जी को अपनी बात रखने के लिए केवल दो मिनट का समय दिया गया था परंतु उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत ही मेरे अमेरिकी बहनों एवं भाईयों कहकर की थी, इस सम्बोधन से प्रभावित होकर समस्त उपस्थित प्रतिनिधियों ने खड़े होकर बहुत देर तक तालियों की गड़गड़ाहट की बीच स्वामी विवेकानंद जी का अभिवादन किया था। स्वामी विवेकानंद जी के इस प्रथम वाक्य ने ही वहां उपस्थित सभी प्रतिनिधियों का दिल जीत लिया था।

स्वामी विवेकानंद जी का मूल स्वभाव राष्ट्र के प्रति समर्पित भावना से ओतप्रोत था। आपने राष्ट्रीय भाव में आध्यात्मिक एवं धर्म को जोड़कर इसे धारदार बनाने के प्रयास किया था। आपका मजबूत विचार था भारत को अपने आध्यात्म एवं धर्म के बल पर पश्चिम को पुन: जीतना ही होगा। आपका यह प्रबल विश्वास था कि भविष्य में धर्म ही भारत का मेरुदंड बनेगा। इस प्रकार आप भारत के अतीत का आह्वान कर भविष्य के भारत का निर्माण करना चाहते थे। स्वामी विवेकानंद अपने ओजस्वी व्याख्यानों में बार बार यह आह्वान करते थे कि उठो जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त नहीं हो जाता। उनके ये वाक्य उनके श्रोताओं को बहुत प्रेरणा देते थे। उनका यह भी कहना होता था कि हर आत्मा ईश्वर से जुड़ी है अत: हमें अपने अंतर्मन एवं बाहरी स्वभाव को सुधारकर अपनी आत्मा की दिव्यता को पहचानना चाहिए। कर्म, पूजा, अंतर्मन अथवा जीवन दर्शन के माध्यम से ऐसा किया जा सकता है। जीवन में सफलता के राज खोलते हुए आप कहते थे कि कोई भी एक विचार लेकर उसे अपने जीवन का लक्ष्य बनायें एवं उसी विचार के बारे में सदैव सोचें, केवल उसी विचार का सपना देखते रहें और उसी विचार में ही जीयें। यही आपकी सफलता का रास्ता बन सकता है।

'आप' को अयोग्य घोषित करने की कड़ी चुनौती

हरीश गुप्ता

आम आदमी पार्टी संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 2013 में देश में राजनीतिक व्यवस्था को साफ करने की एक नई उम्मीद लेकर आए थे। उन्होंने दिल्ली में दो प्रमुख राजनीतिक दलों- कांग्रेस और भाजपा को हराया और बाद में पंजाब में भी विजयी हुए। उन्होंने देश के अन्य हिस्सों में कुछ असफल कोशिशें कीं। लेकिन 'उम्मीद' बनी रही कि एक दिन वह राजनीतिक व्यवस्था में बदलाव लाएंगे। हालांकि यह एक मृगतृष्णा प्रतीत होती है और यह स्पष्ट है कि पार्टी बस चूक गई है क्योंकि वह किसी न किसी विवाद में उलझी हुई है। चाहे वह मुख्यमंत्री बंगले पर 50 करोड़ रुपए खर्च करना हो या नियमों का उल्लंघन करके अपनी पार्टी के लोगों को लाभ देना हो।

उसके कुछ मंत्री भ्रष्टाचार के किसी न किसी मामले में जेल भी गए. लिकर-गेट का भारी असर पड़ा है और यह केजरीवाल के लिए खतरा बन सकता है। वह किसी न किसी आधार पर ईडी द्वारा जारी समन को नजरअंदाज करते रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि ईडी शराब घोटाले में आप को आरोपी बनाने की दिशा में आगे बढ़ सकती है, जिससे उसका पंजीकरण रद्द किया जा सकता है। अगर ऐसा हुआ तो यह देश के 75 साल के लोकतांत्रिक इतिहास में सबसे दुर्लभ मामला होगा। ऐसा कहा जाता है कि आप को आरोपी बनाने से संबंधित फाइल कानूनी मंजूरी का इंतजार कर रही है क्योंकि यह शीर्ष कानून अधिकारियों के लिए एक अज्ञात क्षेत्र है। ईडी ने पहले भी कई मामलों में कंपनियों, ट्रस्टों,

सोसायटियों को आरोपी बनाया है।

एक विचार यह है कि ईडी को उसके संयोजक और कोषाध्यक्ष के माध्यम से आप को आरोपी बनाते हुए पीएमएलए अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने दें और अंतिम निर्णय लेने का अधिकार अदालतों पर छोड़ दें। गौरतलब है कि 2001 में भाजपा अध्यक्ष बंगारू लक्ष्मण एक लाख रुपए कैश लेते हुए कैमरे में कैद हुए थे। लेकिन यूपीए सरकार ने भाजपा को आरोपी नहीं बनाया था। इसलिए गलत तरीके से अर्जित धन प्राप्त करने के लिए किसी पार्टी को अयोग्य ठहराना एक कठिन चुनौती होगा।

जब अरविंद केजरीवाल ने 78 वर्षीय एन.डी. गुप्ता को राज्यसभा के लिए दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से नामांकित किया तो राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई। वह मृदुभाषी हैं और बहुत से लोग उन्हें जानते भी नहीं हैं क्योंकि 2018 के बाद से अपने पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने सदन में बहुत कम बात की थी।

शायद केजरीवाल को उनका महत्व पता था और इसीलिए पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट को उन्होंने दूसरे कार्यकाल के लिए भी चुना था। गुप्ता शुरू से ही कोषाध्यक्ष के तौर पर आप का फंड संभालते रहे हैं। यह काफी हद तक उनके कौशल के कारण ही था कि जांच एजेंसियों को पार्टी के खातों की किताबों में कोई गड़बड़ी नहीं मिली। जब लिकर-गेट सामने आया, तो गुप्ता से ईडी ने बार-बार पूछताछ की, लेकिन बदले में उन्हें कुछ नहीं मिला। यह गुप्ता का कौशल ही है कि ईडी आम आदमी पार्टी का पंजीकरण रद्द करने की दिशा में आगे बढ़ने से झिझक रही है। राज्यसभा में भाजपा के नेता पीयूष गोयल, जो पार्टी के कोषाध्यक्ष थे, पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट भी हैं। यह गुप्ता ही थे जिन्होंने दिवंगत अरुण जेटली द्वारा केजरीवाल के खिलाफ दायर मानहानि के मामले को बंद कराया था। उक्त मामले में केजरीवाल को दोषी ठहराया जाना तय था। गुप्ता ने जेटली को लिखित माफी स्वीकार करने और मामला खत्म करने के लिए मना लिया।

यह काफी आश्चर्य की बात है कि 14 जनवरी को इंफाल से शुरू होने वाली राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का कांग्रेस ने जो रूट मैप जारी किया, उसमें अयोध्या शामिल नहीं है। यात्रा यूपी के अमेठी, रायबरेली, वाराणसी, प्रयागराज और लखनऊ समेत कई राज्यों से गुजरेगी। लेकिन उनके यात्रा कार्यक्रम से अयोध्या गायब है, खासकर तब जब राहुल और प्रियंका गांधी पिछले दो वर्षों से देश भर में मंदिर-मंदिर घूम रहे हैं। यह स्पष्ट हो गया है कि राहुल गांधी 22 जनवरी को अयोध्या नहीं जाएंगे। लेकिन वह अपनी यात्रा के दौरान अयोध्या को अपने यात्रा कार्यक्रम में शामिल कर सकते थे, खासकर तब जब उनके दिवंगत पिता राजीव गांधी ने उस ढांचे के द्वार खोलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी जहां रामलला विराजमान हैं। राजीव गांधी ने अपना 1989 का चुनाव अभियान भी अयोध्या से कुछ किलोमीटर दूर फैजाबाद से शुरू किया था। राजीव गांधी ने राम राज्य लाने का भी वादा किया था। पार्टी में कई लोगों का मानना है कि यह एक बड़ी चूक है। ऐसे संकेत हैं कि 22 जनवरी को मंदिर के उद्घाटन के लिए आमंत्रित वरिष्ठ कांग्रेस नेता या तो एक दिन पहले या बाद में जा सकते हैं, हालांकि अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। वे दिन गए जब दिल्ली के महंगे सामाजिक सर्कल पार्टियों का आयोजन करते थे। दिलचस्प यह है कि ऐसी हाई-एंड पार्टियों में बड़ी संख्या में राजनेताओं को आमंत्रित नहीं किया जाता था और नौकरशाहों को प्राथमिकता दी जाती थी, लेकिन दिल्ली में मोदी के पीएम बनने के बाद यह संस्कृति तेजी से खत्म हो रही है।

शीर्ष रैंकिंग के नौकरशाहों, सार्वजनिक उपक्रमों के प्रमुखों और प्रमुख मंत्रियों की अनुपलब्धता से तंग आकर, इन सोशलाइट्स ने पार्टियों की मेजबानी करना पूरी तरह से बंद कर दिया है। जो मासिक दिनचर्या हुआ करती थी, वह एक दुर्लभ घटना बन गई है और वह भी नए साल की पूर्व संध्या पर सरकार के एक सेवानिवृत्त सचिव अनिल स्वरूप ने बताया कि 2014 में सत्ता संभालने के बाद नौकरशाही के साथ नरेंद्र मोदी का जुड़ाव कैसे विकसित हुआ है। शुरुआती वर्षों में, मोदी ने अधिकारियों को अपने मन की बात खुलकर कहने के लिए प्रोत्साहित किया और बहुत ग्रहणशील थे। उन्होंने सचिवों को स्वतंत्र और स्पष्ट बातचीत करने के लिए प्रेरित किया और पिछली सरकारों की आंतरिक कार्यप्रणाली को सीखा, बाद में उनके साथ क्या हुआ, यह सर्वविदित है।

आज का इतिहास

1945 द्वितीय विश्व युद्ध-सोवियत संघ की लाल सेना ने जर्मनी पर आक्रमण करने के लिए पोलैंड के विस्टुला नदी को पार किया।
1954 आस्ट्रिया में हिमस्खलन में 200 से अधिक लोग मारे गए।
1964 जॉन ओकेलो के नेतृत्व में विद्रोहियों ने सुल्तान जमशेद बिन अब्दुल्ला को उखाड़ फेंका, जंजीबार में 200 साल के अरब प्रभुत्व को समाप्त कर दिया।
1967 तैंतीस वर्षीय मनोविज्ञान के प्रोफेसर जेम्स बेडफोर्ड भविष्य के पुनर्जीवन के इरादे से क्रायोजेनिक रूप से जमे हुए पहले व्यक्ति बन गए।
1969 अमेरिकी फुटबॉल में, न्यू यॉर्क जेट्स ने बाल्टीमोर कोल्ट्स को अमेरिकी खेल इतिहास के सबसे महान अपसेट्स में से एक सुपर बाउल III जीतने के लिए परेशान किया।
1970 बायफ्रा ने नाइजीरियाई नागरिक युद्ध को समाप्त किया।
1976 दुनिया के सबसे जाने माने जासूसी उपन्यासकारों में से एक अगाथा क्रिस्टी का निधन हुआ।
1991 खाड़ी युद्ध : अमेरिकी कांग्रेस का एक अधिनियम इराक को कुवैत से बाहर निकालने के लिए सैन्य बल के उपयोग को अधिकृत करता है।
1997 टाइगर वुड्स ने मर्सिडीज चैंपियनशिप जीती और यह उनके लिए एक अच्छी जीत थी।
1998 उन्नीस यूरोपीय राष्ट्र मानव क्लोनिंग को मना करने के लिए सहमत हुए।
2004 दुनिया के सबसे बड़े समुद्री जहाज, आरएमएस क्वीन मैरी 2 ने अपनी पहली यात्रा की शुरूआत की।
2005 केप कैनावेरल ने डीप इम्पैक्ट अंतरिक्ष यान के रूप में जाने वाले अंतरिक्ष यान को लॉन्च करने का फैसला किया।
2007 धूमकेतु मैकनेथ पेरिहेलियन तक पहुंच गया और 40 से अधिक वर्षों में -5.5 की स्पष्ट परिमाण के साथ सबसे तेज धूमकेतु बन गया।
2010 7.0 की तीव्रता के भूकंप के कारण, पोर्ट-ए-प्रिंस राजधानी शहर हैती का विनाशकारी भूकंप से पीड़ित था। और यह अनुमान लगाया गया था कि 15000 लोग मारे गए थे।

सीट शेयरिंग पर कांग्रेस का दंगल

नईदिल्ली। लोकसभा चुनाव में कुछ ही महीनों का वक्त बचा है। कांग्रेस ने भले ही विपक्षी दलों के साथ मिलकर बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए से चुनावी मैदान में लड़ने के लिए इंडिया गठबंधन बना लिया है। मगर उसके लिए सबसे बड़ी चुनौती इंडिया गठबंधन के दलों को सीट-शेयरिंग के लिए मनाना है। कांग्रेस मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात जैसे कई राज्यों में बड़े भाई की भूमिका में रहना चाहती है, जबकि कई जगह वह झुकना भी नहीं चाहती है।

उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, पंजाब, महाराष्ट्र कुछ ऐसे राज्य हैं, जहां कांग्रेस चाहती तो है कि सीटों का बंटवारा सही तरीके से हो जाए। मगर वह इन राज्यों के क्षेत्रीय दलों को ज्यादा सीटें भी नहीं देना चाहती है। इस बीच कांग्रेस की अलायंस कमेटी की रिपोर्ट भी आ गई है, जिसमें ये साफ कर दिया गया है कि कांग्रेस किस राज्य में कितने सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। ऐसे में आइए आपको बताते हैं कि आखिर कांग्रेस के लिए किस राज्य में सीट-शेयरिंग पर पेंच फंस रहा है।

सीट-शेयरिंग को समझने से पहले ये जानना जरूरी है कि कांग्रेस आखिर किस राज्य में कितनी सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। कांग्रेस की अलायंस कमेटी की रिपोर्ट से इसका जवाब भी मिलता है। एबीपी न्यूज के सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में से 15 से 20 पर चुनाव लड़ना चाहती है। इसके अलावा कांग्रेस महाराष्ट्र की 48 सीटों में से 16-20 सीटें, बिहार की 40 सीटों में से 4-8 सीटें और पश्चिम बंगाल की 42 सीटों में से 6-10 सीटें चाहती है।

वहीं, झारखंड की 14 लोकसभा सीटों में से 7 सीटें, पंजाब की 13 सीटों में से 6 सीटें, दिल्ली की 7 सीटों में से 3 सीटें, तमिलनाडु की 39 सीटों में से 8 सीटें, केरल की 20 सीटों में से 16 और जम्मू-कश्मीर 2 सीटों पर कांग्रेस की नजर है, जहां से वह चुनाव लड़ना चाहती है। सबसे बड़ी समस्या इस बात की है कि कांग्रेस कई राज्यों में ज्यादा सीटें चाहती है, जो वहां के क्षेत्रीय दलों को नगवार गुजर रही है। महाराष्ट्र से लेकर पश्चिम बंगाल तक इस पर विवाद चल रहा है।

उत्तर प्रदेश- देश के सबसे ज्यादा लोकसभा सीटों वाले राज्य यूपी में कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी के साथ हाथ मिलाया है। यहां कांग्रेस 20 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। मगर 2019 के नतीजों को देखते हुए इतनी सीटें मांगना जायज भी नजर नहीं आता है। हालांकि, इन सबके बीच इस बात को लेकर भी चर्चा हो रही है कि कांग्रेस 2009 के चुनाव की तरह ही सपा के साथ सीट-शेयरिंग कर सकती है, जिसमें 30 के करीब सीटों पर दावा किया गया था। कांग्रेस को सीट-शेयरिंग में यूपी में ज्यादा परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

बिहार- 40 लोकसभा सीटों वाले बिहार में कांग्रेस के साथ आरजेडी, जेडीयू के अलावा कम्युनिस्ट पार्टी भी है। यहां पार्टी को 4 से 8 सीट मिल भी सकती हैं। ज्यादा चर्चा ये है कि कांग्रेस को 4 सीटों से ही संतोष करना पड़ेगा। उधर बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा है कि अगर पार्टी को 4 सीटें मिलती हैं, तो इसका नुकसान महागठबंधन को उठाना पड़ सकता है। जेडीयू उन 17 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है, जिन पर उसने पिछली बार मुकाबला किया था। आरजेडी भी इससे कम पर बात नहीं करेगी। ऐसे में कांग्रेस के लिए बिहार भी चुनौती बन गया है।

महाराष्ट्र- देश का पश्चिमी राज्य महाराष्ट्र कांग्रेस के लिए बड़ी परेशानी बन गया है। शिवसेना ने कहा है कि पार्टी उन 23 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है, जिस पर उसने 2019 में मुकाबला किया था। वहीं, कांग्रेस यहां 16-20 सीटें चाहती है। एनसीपी भी ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने की इच्छा जता चुकी है। संजय राउत पहले ही कह चुके हैं कि महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) बड़ी पार्टी है। कांग्रेस उनके बयान को लेकर भड़क भी गई थी। इस तरह के हालातों को देखते हुए कांग्रेस के लिए महाराष्ट्र में सीट बंटवारा करना मुश्किल रहने वाला है।

पश्चिम बंगाल- सबसे ज्यादा चर्चा इसी राज्य की हो रही है, जहां कांग्रेस बनाम तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बीच तल्खी चल रही है। कहा जा रहा है कि टीएमसी ने कांग्रेस को राज्य में 2 सीटें देने का ऑफर दिया है। इस पर पश्चिम बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने यहां तक कह दिया है कि हमने सीटों को लेकर उनसे भीख नहीं मांगी है। दरअसल, टीएमसी 2019 के वोटिंग पर्सेंटेज के आधार पर कांग्रेस को सीट देना चाहती है। यही वजह है कि ममता बनर्जी की पार्टी के साथ सीट-बंटवारा करना टेढ़ी खीर साबित होने वाला है।

पंजाब-दिल्ली- देश के ये दो ऐसे राज्य हैं, जहां कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच बात बनना जरूरी है। दिल्ली में तो कहीं न कहीं कांग्रेस की 3 सीटों की मांग पर सहमति बन सकती है। मगर पंजाब में कांग्रेस के नेता आप के साथ गठबंधन नहीं चाहते हैं। पंजाब विधानसभा चुनाव में जीत के बाद आप राज्य में ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। कांग्रेस के लिए पंजाब अहम सूबा है, जहां उसे ज्यादा चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा है। इस वजह से वह भी ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। इस राज्य में भी सीट-बंटवारे पर माथा पच्ची चल रही है।

राममंदिर का चुनावी फायदा भाजपा को मिलेगा?

नीरजा चौधरी

अयोध्या में 22 जनवरी को राम लला की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है। उससे पहले मैंने बनारस, अयोध्या और लखनऊ जाकर लोगों का मूड भांपने की कोशिश की। बनारस मैं पहले भी घाट पर गई थी गंगा आरती देखने। तब वहां भीड़ नहीं होती थी। मगर इस बार घाट पर होने वाली आरती में जहां तक नजर जा रही थी, लोग ही लोग दिख रहे थे, जिनमें अधिकतर युवा थे। आरती पहले से भी खूबसूरत हो गई है। इस आरती में ऊर्जा है। बाद में लोगों से बात की, जिनमें दक्षिण से आए लोग भी थे। यहां आए लोगों से बात करते हुए मेरे मन में सवाल उठा कि क्या यह हिंदू पुनरुत्थान है? ज्यादा राम भक्त मुझे अयोध्या में मिले। उस दिन सीएम योगी आदित्यनाथ आने वाले थे और अगले दिन पीएम का दौरा था। सब कुछ बंद था, हर जगह पैदल जाना पड़ा। 11 इंच वाले छोटे राम लला का मंदिर दो बजे खुलता है, वहां लाइनें लगी हुई थीं। महिलाओं के एक ग्रुप ने बताया कि उन सबने जोड़कर राम मंदिर के लिए पचास हजार रुपये दिए हैं। सबके पास जय श्री राम लिखा हुआ कुछ न कुछ था। मैंने पूछा कि आप अभी क्यों आए हो, मंदिर खुलने के बाद क्यों नहीं? उन्होंने कहा कि हम मंदिर को बनते भी देखना चाहते थे। अयोध्या में एक दिलचस्प चीज दिखी। जो लोग राम मंदिर बनाने में शामिल रहे हैं, उनमें से कुछ का कहना है कि मंदिर ज्यादा भव्य बनाना चाहिए था। अगर यह सही है कि 500 साल के संघर्ष के बाद यह एक ऐसे सिविलाइजेशन प्रॉजेक्ट के रूप में उभर कर आ रहा है, जिस तरह से मक्का या स्वर्ण मंदिर है, तो उसे उसी तरह से भव्य होना चाहिए था। मंदिर का मुख्य द्वार बहुत छोटा है। अगर लाखों लोगों की तैयारी है, तो कैसे लोग अंदर जाएंगे? कुछ कहते हैं कि सैंड स्टोन की लाइफ बमुश्किल 100 साल की होती है, इसलिए मंदिर को ग्रेनाइट पत्थरों से बनाना चाहिए था। अयोध्या आने वाले ज्यादातर राम भक्त मोदी के प्रशंसक भी हैं। उनका मानना है कि मोदी की वजह से राम मंदिर बना है, जबकि सच यही है कि शीर्ष अदालत के फैसले से मंदिर बनने का रास्ता साफ हुआ। तो यह मंदिर सिर्फ राम लला से नहीं जुड़ा है, यह मोदी और उनकी लीडरशिप से भी जुड़ा है। यह बात कहीं न कहीं लोगों के दिमाग में है। लखनऊ में समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने कहा कि हम तो जाएंगे जब राम लला का बुलावा आएगा। जो विपक्ष के नेता हैं, उन्हें लग रहा है कि राम तो भाजपा के साथ जुड़ गए हैं। मंदिर का फायदा भाजपा को हो रहा है, तो सवाल है कि हम जाएं या न जाएं। विपक्ष के लिए बहुत बड़ी दुविधा का प्रश्न यह बन गया है। अयोध्या में महाराष्ट्र के नासिक से महिलाओं का एक बड़ा ग्रुप लाया गया था। आरएसएस के लोग लगे हैं कि यहां अधिक से अधिक लोगों को लाने में। ग्रुप की महिलाओं ने कहा कि महाराष्ट्र में हम बहुत नाराज हैं भाजपा से, लेकिन वोट हम मोदी को ही देंगे। मैंने कहा कि फिर तो आपका वोट भाजपा को जाएगा। इस पर वे परेशान हो गईं। उज्जैन की महिलाएं बोलीं कि हम तो नाराज हैं, शिवराज चौहान को सीएम नहीं बनाया। फिर भी हम मोदी को सपोर्ट करेंगे। 1992 में बाबरी मस्जिद घटना के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने कहा था कि हम भाजपा से तो लड़ सकते हैं, लेकिन राम से कैसे लड़ेंगे? राम पर पूरा कब्जा भाजपा का है, जिसे काउंटर करना विपक्ष का बहुत बड़ा चैलेंज है। लखनऊ के कुछ संस्थानों में 2017 विधानसभा चुनाव के वक्त कुछ स्टडीज हुई थीं, जिनकी रिपोर्ट्स अभी सार्वजनिक नहीं हुई हैं। ये स्टडीज ज्यादातर ओबीसी के बीच हुई थीं। इसके मुताबिक, कोई नहीं कहता कि राम मंदिर नहीं बनना चाहिए। लेकिन आधे लोग जरूर पूछते हैं कि इससे हमारी जिंदगी में क्या फर्क आएगा? मैं मानती हूं कि देश का अधिकतर हिंदू चाहता है कि राम मंदिर बने। लेकिन किस तरह से उनकी जिंदगी बदलने वाली है, कुछ लोग यह सवाल करेंगे। गौर करें तो 1992 के बाद के चुनावों में मंदिर का मुद्दा निर्णायक नहीं था। अटल बिहारी वाजपेयी ने भी पीएम रहते इस मुद्दे को आगे नहीं किया क्योंकि तब गठबंधन की सरकार थी और दूसरे सहयोगी दलों को यह पसंद नहीं था। मगर 2024 में यह चुनावी मुद्दा बनेगा क्योंकि मंदिर अब मोदी की लीडरशिप से भी जुड़ गया है।

राजस्थान में पहली ही हार से भजन सरकार को तगड़ा झटका

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले की श्री करनपुर विधानसभा सीट पर संपन्न हुए उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी रूपिंदर सिंह कुन्नर ने भाजपा प्रत्याशी व राजस्थान सरकार में मंत्री सुरेंद्रपाल सिंह टीटी को 11261 वोटों के अंतर से हरा दिया। सुरेंद्रपाल सिंह टीटी की हार से भाजपा की किरकिरी हुई है। भाजपा ने उपचुनाव के दौरान अपने प्रत्याशी सुरेंद्रपाल सिंह टीटी को चुनाव जितवाने के लिए चुनावी प्रक्रिया के दौरान ही मंत्री तक बना दिया था। मगर इसके बावजूद भी वह चुनाव में पराजित हो गए। देश में इस तरह कि यह पहली घटना है। जब चुनावी प्रक्रिया के दौरान किसी प्रत्याशी को मंत्री बनाया गया था। चुनावी प्रक्रिया के दौरान टीटी को मंत्री बनाने को लेकर कांग्रेस ने चुनाव आयोग तक शिकायत भी की थी। मगर भाजपा ने किसी भी आरोप की परवाह ना करते हुए टीटी को मंत्री पद की शपथ दिलवा दी थी। राजस्थान में भाजपा की सरकार बने अभी एक महीना भी नहीं हुआ है। उससे पहले ही सरकार को उपचुनाव में बड़ा झटका लगा है। उपचुनाव में हुई हार का असर अगले लोकसभा चुनाव में भी देखने को मिल सकता है। उपचुनाव की जीत से जहां कांग्रेस पार्टी के नेताओं का मनोबल मजबूत हुआ है जिससे लोकसभा चुनाव में वह और अधिक एकजुटता से चुनाव लड़ने का प्रयास करेंगे। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने यहां से विधायक गुरमीत सिंह कुन्नर को अपना प्रत्याशी बनाया था। मगर मतदान से पूर्व ही उनकी मृत्यु होने से चुनाव स्थगित हो गया था। कांग्रेस ने मतदाताओं की सहानुभूति लेने के लिए अपने मृतक विधायक गुरमीत सिंह कुन्नर के पुत्र रूपिंदर सिंह कुन्नर को प्रत्याशी बनाकर चुनाव मैदान में उतारा था। कांग्रेस का यह दांव सफल रहा और उनका प्रत्याशी चुनाव जीत गया। श्री गंगानगर लोकसभा क्षेत्र में वैसे भी विधानसभा चुनाव में भाजपा इस बार काफी कमजोर रही है। क्षेत्र की आठ में से भाजपा सिर्फ दो सीट सादुलशहर व श्रीगंगानगर ही जीत पाई है। पांच सीटों पर श्रीकरणपुर, सूरतगढ़, रायसिंह नगर, संगरिया, पीलीबंगा में कांग्रेस व हनुमानगढ़ सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी विजय हुआ है। इस बार के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को भाजपा से 94340 वोट अधिक मिले हैं। भाजपा प्रत्याशियों को पांच लाख 94 हजार 651 वोट व कांग्रेस प्रत्याशियों को छः लाख 88 हजार 991 वोट मिले हैं। जबकि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी निहालचंद मेघवाल 406978 वोटो से जीते थे। 2019 के चुनाव में भाजपा के निहालचंद मेघवाल को 897177 वोट व कांग्रेस के भरतलाल मेघवाल को 490199 वोट मिले थे। लोकसभा चुनाव से 2023 के विधानसभा चुनाव तक जहां भाजपा कमजोर हुई है वहीं कांग्रेस मजबूत बनकर उभरी है। मौजूदा सांसद निहालचंद के खुद के विधानसभा क्षेत्र रायसिंह नगर में भी कांग्रेस के सोहनलाल नायक ने भाजपा के बलवीर सिंह लूथरा को 14025 वोटों से हरा दिया। जबकि रायसिंह नगर सीट पर मौजूदा सांसद निहालचंद के दादा बेगाराम 1972 में, खुद निहालचंद मेघवाल 1998 में, उनके छोटे भाई लालचंद मेघवाल 2003 में विधायक रह चुके हैं। अपने खुद के विधानसभा क्षेत्र में भी पार्टी को नहीं जितवा पाने से पांच बार के भाजपा सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री निहालचंद मेघवाल की स्थिति कमजोर हुई है।

2024 के चुनाव में भाजपा दायरा बढ़ाएगी, कांग्रेस घटाएगी

अजय सेतिया

कांग्रेस ने 2014 में 464 और 2019 में 421 सीटों पर चुनाव लड़ा था, इस बार उसने मीडिया को लीक की गई खबर में कहा कि उसने 291 सीटों पर अकेले और 85 सीटों पर गठबंधन के साथ चुनाव लड़ने का फैसला किया है। कांग्रेस ने उन 85 सीटों का ब्योरा भी लीक किया था, जो वह सहयोगी दलों से मांग रही है, लेकिन उन 291 सीटों का ब्योरा नहीं दिया, जो वह बिना गठबंधन के कांग्रेस प्रभाव वाले राज्यों में लड़ेगी। जबकि सच्चाई यह है कि वह सूची सिर्फ 254 सीटों की है, और 254 में से भी इंडी एलायंस का एक सहयोगी 5 सीटें मांग रहा है। बाकी सहयोगियों की ओर से कांग्रेस प्रभाव वाले राज्यों से सीटें मांगने की सूची अभी सामने नहीं आई है।

जो तस्वीर उभर कर सामने आ रही है, उससे साफ़ हो रहा है कि कांग्रेस का लक्ष्य 52 सीटों से बढ़ कर किसी तरह 100 तक सीटें हासिल करना ही है। तमिलनाडु, बंगाल, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, जम्मू कश्मीर, पंजाब और दिल्ली के अलावा लद्दाख और लक्षद्वीप में सहयोगी दलों से गठबंधन होना है। इन नौ राज्यों और दो केंद्र शासित क्षेत्रों की 289 लोकसभा सीटें है। देश में बाकी सिर्फ 254 लोकसभा सीटें बचती हैं, न कि 291, जिन पर वह अकेले चुनाव लड़ेगी। ये 254 सीटें है- मध्यप्रदेश-29, कर्नाटक-28, गुजरात-26, आंध्र प्रदेश-25, राजस्थान-25, ओड़िसा-21, केरल-20, तेलंगाना-17, असम 14, छत्तीसगढ़-11, हरियाणा-10, उत्तराखंड-5, हिमाचल-4, अरुणाचल-2, गोवा-2, मणिपुर-2, मेघालय-2, त्रिपुरा-2 मिजोरम-1, नागालैंड-1, सिक्किम-1 और इसके अलावा पुडूचेरी, अंडमान निकोबार, चंडीगढ़, दादरा नगर हवेली, दमन दीव की छह सीटें।

इन 254 सीटों पर वह किसी से गठबंधन नहीं करना चाहती क्योंकि उड़ीसा, आंध्र और तेलंगाना को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में उसका भाजपा से सीधा मुकाबला है। इन तीनों राज्यों की क्षेत्रीय पार्टियां न इंडी एलायंस में शामिल हैं, न एनडीए में शामिल हैं। अपने सहयोगियों से

कांग्रेस 10 सीटें तमिलनाडु में द्रमुक से, 9 सीटें बंगाल में तृणमूल कांग्रेस से, 25 सीटें महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और शरद पवार से, 9 सीटें बिहार में आरजेडी और जेडीयू से, 15 सीटें उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी से, 2 सीटें जम्मू कश्मीर और लद्दाख में नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी से, 10 सीटें पंजाब में आम आदमी पार्टी से और 5 सीटें दिल्ली में आम आदमी पार्टी से मांग रही है। माँगी गई इन 85 सीटों में से कांग्रेस को मुश्किल से 54-55 सीटें मिलेंगी। इसके अलावा आम आदमी पार्टी ने 8 जनवरी को कांग्रेस की पांच सदस्यीय समिति के साथ हुई बैठक में हरियाणा से 3 और गुजरात, गोवा से एक एक सीट कांग्रेस से मांग रखी है। कांग्रेस को ये पांच सीटें भी आम आदमी पार्टी को देनी पड़ सकती है। यानी वह अपने राज्यों में लड़ी जाने वाली 254 सीटों में से पांच आम आदमी पार्टी को देगी और उसे सहयोगी दल कुल मिलाकर 54-55 सीटें अपने प्रभाव वाले राज्यों में देंगे। तो कुल मिलाकर कांग्रेस ज्यादा से ज्यादा 303-304 सीटों पर चुनाव लड़ पाएगी।

दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी गठबंधन के बावजूद अपनी लड़ने वाली सीटों को लगातार बढा रही है। भाजपा का गठन 1980 में जनता पार्टी से टूट कर हुआ था। यह पूर्ववर्ती जनसंघ का नया अवतार था, जिसने आपातकाल के बाद खुद का जनता पार्टी में विलय कर लिया था। 1984 में पहली बार चुनाव में उतरते हुए भाजपा 229 सीटों पर चुनाव मैदान में उतरी थी और सिर्फ 2 लोकसभा सीटें जीती थी। यह चुनाव इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए थे, इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी प्रधानमंत्री बन चुके थे, उनके प्रति सहानुभूति में विपक्ष के बड़े बड़े नेता चुनाव हार गए थे। कांग्रेस को 414 लोकसभा सीटें मिलीं थी। 1988 में रामजन्मभूमि का आन्दोलन शुरू हो चुका था, भाजपा ने रामजन्मभूमि आन्दोलन का समर्थन किया, जिसका उसे फायदा मिला और 1989 के चुनाव में वह 225 सीटें लड़कर 85 लोकसभा सीटें जीत गई। 1991 में 471 सीटें लड़कर 120, 1996 में 471 सीटें लड़ कर 161, 1998 में गठबंधन के साथ 288 सीटें लड़कर 182, 1999 में 339 सीटें लड़कर 182 सीटें जीती। 2004 में गठबंधन कमजोर हुआ तो 364 सीटें लड़कर 138, 2009 में गठबंधन और कमजोर हुआ तो 433 सीटें लड़कर 116, लेकिन 2014 में नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री प्रोजेक्ट किए जाने के बाद भाजपा 428 सीटें लड़कर 284 और 2019 में 436 सीटें लड़कर 303 सीटें जीत गईं। उसे रिकार्ड तोड़ 37.76 प्रतिशत वोट मिला। भाजपा के 13 सहयोगियों को भी 52 सीटें और एनडीए को कुल मिलाकर 45 प्रतिशत वोट मिला। जबकि कांग्रेस भाजपा से लगभग आधे 19.66 प्रतिशत वोट शेयर पर निपट कर सिर्फ 52 सीटें हासिल कर पाई। भारतीय जनता पार्टी 2024 में गठबंधन के हिसाब से थोड़ा कमजोर है। बिहार में जेडीयू, पंजाब में अकाली दल, तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक, और महाराष्ट्र में पुरानी शिवसेना भाजपा के साथ गठबंधन में नहीं है। लेकिन महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजीत पवार की एनसीपी गठबंधन में शामिल हुई है, राम दास अठावले की आरपीआई पहले से गठबंधन में है। इसके अलावा कर्नाटक में पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौडा की पार्टी जनता दल सेक्यूलर एनडीए में शामिल हुई है, जो 28 में से चार सीटों पर चुनाव लड़ेगी। भारतीय जनता पार्टी इस बार कम से कम 460 सीटों पर चुनाव लड़ने और अपना वोट शेयर बढाने की रणनीति पर काम कर रही है। सार्वजनिक तौर पर भाजपा का लक्ष्य 400 पार का है। भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र में अपने सहयोगियों को 48 में से 15 से 20 तक सीटें लड़ने को देगी और बाकी 28 पर खुद चुनाव लड़ेगी। बिहार में 10 सीटें अपने सहयोगियों को देगी जबकि बाकी 30 खुद लड़ेगी।

राम को संप्रदायों में बांटने का प्रयास क्यों?

संजय तिवारी

विश्व हिन्दू परिषद के महासचिव चंपत राय श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सचिव भी हैं। इसलिए मंदिर निर्माण का काम काज देखने के साथ साथ मीडिया को जानकारी देना भी उनका एक काम है। लेकिन अपने विवादित बोल से वो इस पूरी परियोजना में बार बार विवाद पैदा करते रहते हैं।

मंदिर निर्माण शुरु होते ही उन पर जमीनों की खरीदारी में भ्रष्टाचार का आरोप लगा। फिर उन्होंने राम मंदिर आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाने वाले लाल कृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी को उम्र का हवाला देकर मंदिर उद्घाटन के दिन न आने वाला विवादित बयान दे दिया। उसके बाद सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के निमंत्रण पर एक टीवी चैनल पर बोल दिया कि वही बुलाये जाएंगे जो सन 1985 से इस आंदोलन से जुड़े हैं। बुलावे से पहले मंदिर निर्माण में उनकी भूमिका देखी जाएगी।

लेकिन राजनीतिक बयान देते देते अब उन्होंने धार्मिक संप्रदायों के बीच कलह पैदा करनेवाला बयान भी दे दिया है। एक अखबार से बातचीत में उन्होंने जोर देकर कहा है कि अयोध्या का राम मंदिर सिर्फ रामानंद संप्रदाय का है, न शैव, न शाक्त। सिर्फ रामानंद संप्रदाय। यह जवाब उन्होंने इस सवाल पर दिया था कि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद किस प्रकार से पूजन अर्चन किया जाएगा। अव्वल तो इस सवाल पर इस तरह से जवाब देने का कोई अर्थ नहीं है। वैष्णव मंदिरों में वैष्णव विधि से ही पूजन होता है और शैव मंदिरों में शैव विधि विधान से। इसे अलग से उल्लेखित करने की कोई जरूरत ही नहीं होती। लेकिन उनके इस बयान की चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि पुरी के शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती ने कुछ दिन पहले ही अयोध्या राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में न जाने की बात कही थी। अब क्योंकि शंकरचार्य पीठ शैव मत की पीठ होती है इसलिए इसे इस तरह से भी देखा जा सकता है कि चंपत राय शंकराचार्यों के न आने को सही ठहराने के लिए यह बात बोल गये हैं।

वैसे भी रामानंद कोई संप्रदाय नहीं है। जो संप्रदायों का बंटवारा है वह मोटे तौर पर शैव, वैष्णव और शाक्त परंपरा का ही है। लेकिन यह विभाजन भी अब सिर्फ मठों या पीठों तक ही सिमटा हुआ है। एक सामान्य हिन्दू के लिए शैव वैष्णव के बंटवारे का न तो कोई अर्थ है और न ही वो इसे समझता है। वह राम, कृष्ण, दुर्गा, शिव सबकी पूजा एकसाथ करता है। यानी वह एक ही समय में शैव, वैष्णव और शाक्त सभी है। उसकी आस्था में ऐसे किसी विभाजन का कोई अर्थ ही नहीं रह गया है।

फिर हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि जब चंपत राय जिन रामानंद के संप्रदाय की बात कर रहे हैं तो वह रामानंद शिव की नगरी काशी में ही रहे। वहीं पंचगंगा घाट पर आज भी उनका आश्रम है। औरंगजेब द्वारा तोड़े जाने से पहले हिन्दुओं के लिए बिन्दू माधव मंदिर उतना ही पवित्र था जितना आदि विश्वेश्वर महादेव मंदिर। दोनों ही मंदिर गंगा के किनारे काशी में सदियों तक विद्यमान रहे। स्वयं रामानंदाचार्य ने काशी में रहकर राम नाम का प्रसार किया तो किसी ने उनका कभी विरोध नहीं किया। अपने प्रयास से रामानंदाचार्य ने न केवल ऊंच नीच और जाति पांति का बंटवारा खत्म किया वहीं शैव वैष्णव के बंटवारे को भी पाटने का काम किया।

अगर ऐसा नहीं होता तो काशी में रामानंदाचार्य के

शिष्य कबीर और रविदास जैसे महान संत क्यों निवास करते और राम नाम के महत्व को जन जन तक पहुंचाने का काम क्यों करते। काशी की ही शैवभूमि पर रहकर गोस्वामी तुलसीदास ने महान काव्य रचना की जिसमें रामचरितमानस सबसे उल्लेखनीय है। रामचरितमानस से माध्यम से उन्होंने जहां राम चरित्र का वर्णन किया वहीं बहुत सूक्ष्म तरीके से शैव वैष्णव के बंटवारे पर भी प्रहार किया। इसलिए रामचरित मानस में शंकर भगवान राम की स्तुति करते हुए दिखते हैं तो राम शंकर भगवान की पूजा अर्चना करते हैं। रामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास राम के नाम से लिखते हैं कि लिंग थापि विधिवत कर पूजा, शिव समान प्रिय मोंहि न दूजा।। यह वर्णन उस समय का है जब भगवान राम रामेश्वरम् में समुद्र पर सेतुबंध करके लंका की ओर प्रस्थान कर रहे थे। भारत में जिसे भक्तिकाल कहा जाता है वह पूरा काम मुगलों की गुलामी का काल था और उस समय भक्त कवियों ने राम और कृष्ण नाम का सहारा लेकर पूरे हिन्दू समाज को संकट से पार ले जाने में अहम भूमिका निभाई। लेकिन उस समय कहीं से कोई शैव मतावलंबी या शंकराचार्य इस प्रयास का विरोध करते तो नहीं दिखाई देते। फिर सवाल यह है कि जब शैव मत और वैष्णव मत के शीर्ष धर्माचार्य ऐसी बातों को कई सदियों से महत्व देना बंद कर चुके हैं तब इस विभाजन को फिर से क्यों उभारा जा रहा है?

शैव वैष्णव और शाक्त मतावलंबियों के हिसाब से देखें तो शैव भारत के दक्षिण में, शाक्त पूरब में और वैष्णव उत्तर तथा पश्चिम में अधिक प्रभावी दिखते हैं। लेकिन इसका आशय यह नहीं है कि बाकी हिन्दू मतावलंबियों को वहां हेयदृष्टि से देखा जाता है। घोर शैवभूमि तमिलनाडु में बहुत प्राचीन समय से ही अलवार संतों का प्रभाव रहा है। अलवार परंपरा के संत भगवान विष्णु की उपासना करते थे तो नयनार संतों की परंपरा में शिव की उपासना की जाती थी। लेकिन दोनों ही परंपरा में टकराव होता हो, ऐसा उदाहरण देखने में नहीं मिलता।

पूरब की ओर देखें तो आसाम और बिहार शाक्त भूमि रही है लेकिन बंगाल और मणिपुर में वैष्णवों का प्रभाव अधिक रहा। अगर यह विभाजन इतना गहरा होता कि एक दूसरे को स्वीकार करने में भी समस्या होती तो एक साथ दोनों संप्रदायों का विकास भला क्यों होता? यही हाल महाराष्ट्र का है जहां शैव भूमि पर संत तुकाराम और संत नामदेव जैसे वैष्णव संतों ने धर्म का प्रचार किया। उनका कभी विरोध हुआ हो या हिन्दुओं ने उनको अपना न माना हो ऐसा उदाहरण भी कहीं दिखाई नहीं देता। सोमनाथ की धरती पर वैष्णव जन तो तेने कहिए की रचना करनेवाले महान संत नरसी मेहता ने खूब कृष्ण नाम का प्रचार किया तो क्या किसी शैव ने गैर समझकर विरोध किया? आज अगर कुछ लोग ऐसा करने का प्रयास कर रहे हैं तो उनका उद्देश्य राजनीतिक तो हो सकता है, धार्मिक कदापि नहीं। यही कारण है कि शंकराचार्यों में भी किसी ने राम मंदिर को लेकर कोई ऐसी बात नहीं कही जिससे असहमति प्रकट हो। शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती ने मोदी द्वारा उद्घाटन में ताली बजाने वाली जो बात कही है वह राजनीतिक बयान था और उससे वो बच सकते थे। इसी तरह चंपत राय को भी ऐसे सांप्रदायिक वर्गीकरण की कोई जरूरत नहीं है। ऐसे बयानों का दुरुपयोग वह करेंगे जो कभी अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण चाहते ही नहीं थे। राम मंदिर के उद्घाटन से पहले रद्द किया गया अयोध्या में होने वाला ये बड़ा कार्यक्रम, क्यों लिया गया फैसलाराम मंदिर के उद्घाटन से पहले रद्द किया गया अयोध्या में होने वाला ये बड़ा कार्यक्रम, क्यों लिया गया फैसला

जहां तक शैव मतावलंबियों की बात है तो श्रृंगेरी के शंकराचार्य भारतीतीर्थ की ओर स्पष्टीकरण जारी करके कहा गया है कि एक अखबार ने ऐसी खबर प्रकाशित की है मानों श्रृंगेरी के शंकराचार्य राममंदिर महोत्सव में विरोध प्रकट रहे हैं। शारदापीठ श्रृंगेरी की ओर से जारी स्पष्टीकरण में साफ कहा गया है कि श्रृंगेरी शंकराचार्य जी आशीर्वाद देते हैं कि अतिपावन एवं दुर्लभ इस प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में यथायोग्य भाग लेकर सभी आस्तिक भगवान श्रीरामचंद्र जी कृपापात्र बनकर कृतार्थ होंवे।

उनका यह संदेश ही समस्त संदेहों को समाप्त करने के लिए पर्याप्त है। इसके बाद किसी को भी राम को संप्रदायों में बांटने का प्रयास नहीं करना चाहिए। फिर चाहे वह चंपत राय हों या फिर वो लोग जिन्हें धर्म से तो कोई मतलब नहीं है लेकिन धार्मिक विवादों को पूरी हवा देते हैं।

सेलिब्रिटीज जैसे वाइब्रेंट स्किन पाने के लिए अपनाएं ये टिप्स, शीशे जैसी मिलेगी स्किन

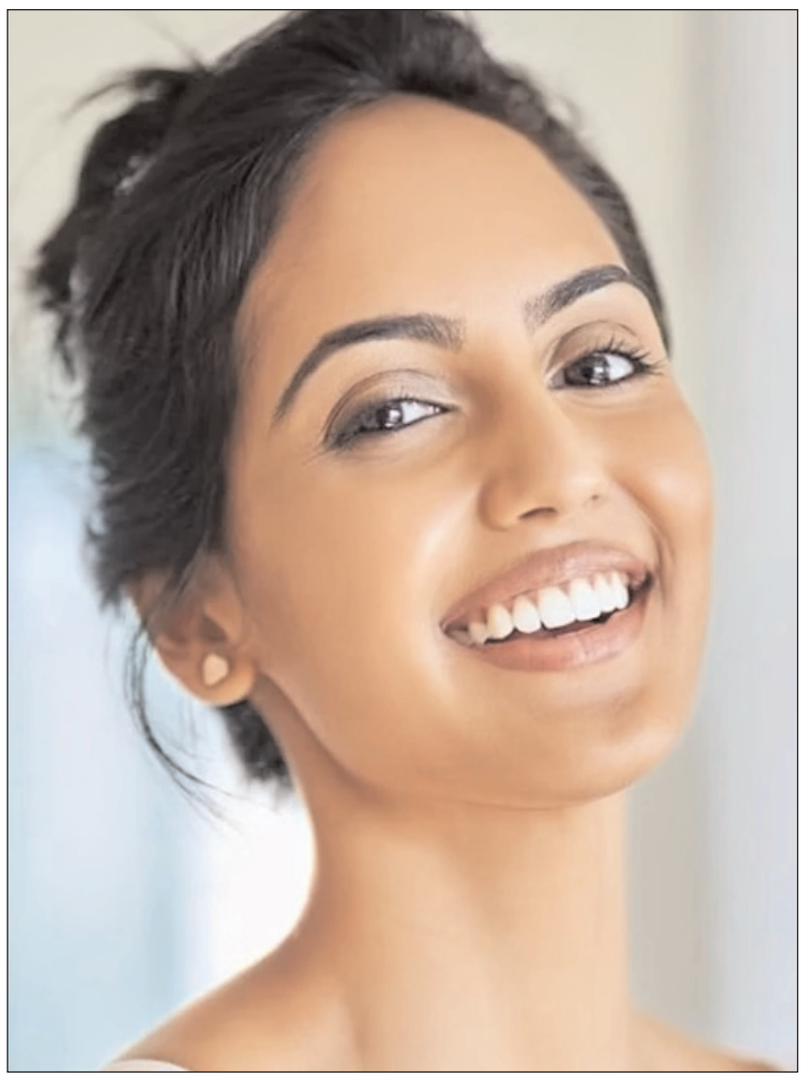

कई लोगों का मानना होता है कि खूबसूरत दिखने के लिए ढेर सारे पैसे खर्च करने होते हैं। लेकिन ऐसा जरूरी नहीं होता है। अगर आप भी सेलिब्रिटीज जैसी ग्लोइंग स्किन पाना चाहते हैं। आप भी इन टिप्स को अपनाकर हेल्दी और ग्लोइंग स्किन पा सकती हैं। अपने फेवरेट एक्टर या एक्ट्रेस की खूबसूरत और ग्लोइंग स्किन आपको भी काफी अच्छी लगती होगी। तो वहीं कुछ सेलिब्रिटीज बिना मेकअप के भी काफी अच्छे नजर आते हैं। ऐसे में आपके मन में यह सवाल जरूर आता होगा कि उनकी स्किन इतनी ग्लोइंग कैसे नजर आती है। ज्यादातर लोगों का मानना होता है कि खूबसूरत दिखने के लिए ढेर सारे पैसे खर्च करने होते हैं। लेकिन ऐसा जरूरी नहीं होता है। महंगे ट्रीटमेंट या खास उत्पाद नैचुरल ब्यूटी के लिए जरूरी नहीं होती है। बल्कि कुछ ऐसी आदतें होती हैं, जिनकी मदद से आप भी सेलिब्रिटी जैसी स्किन पा सकते हैं।

ऐसे में अगर आप भी सेलिब्रिटी जैसी ग्लोइंग और खूबसूरत स्किन पाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको फॉलो कर आप भी सिलेब्रिटीज जैसी स्किन पा सकते हैं।

कैसी है स्किन

सिलेब्रिटीज जैसी स्किन पाने के लिए आपको सबसे पहले यह समझने की जरूरत है कि आपकी त्वचा कैसी है।

वहीं एक्टर या एक्ट्रेस को भी ड्राई स्किन, मुंहासे और सनबर्न जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वहीं लाइट, मेकअप और केमिकल्स के संपर्क में स्किन ज्यादा आती है।

इसलिए उनको स्किन संबंधी कई तरह की समस्याएं अधिक होती हैं। मेकअप से बचने के लिए एक्टर और एक्ट्रेस को अपनी स्किन का खास ख्याल रखना पड़ता है। ऐसे में आप भी इन टिप्स को अपनाकर हेल्दी और ग्लोइंग स्किन पा सकती हैं।

खूब पानी पिएं

आपने भी अधिकतर सिलेब्रिटीज को पानी की बोतल के साथ देखा होगा। क्योंकि स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बनाने के लिए पानी का पर्याप्त मात्रा में सेवन करना बेहद जरूरी होता है। पर्याप्त मात्रा में पानी के सेवन से आपकी स्किन हाइड्रेट रहती है। साथ ही पानी के सेवन से बॉडी से विषाक्त पदार्थ आसानी से बाहर निकल जाते हैं। जिससे स्किन हेल्दी और ग्लोइंग बनती है।

डाइट में करें सुधार

आपको बता दें कि एक्टर व एक्ट्रेस की फिट और ग्लोइंग बॉडी का राज उनकी डाइट में छिपा होता है। क्योंकि डाइट का सीधा असर हमारी स्किन पर पड़ता है। ऐसे में अगर आप ज्यादा तला-भुना या मिर्च मसाले वाला खाना खाते हैं, तो आपको पिगमेंटेशन या फिर पिंपल की समस्या हो सकती है। इसलिए अपनी डाइट में आपको प्रोटीन, फाइबर रिच फूड्स और हरी सब्जियों को शामिल करें।

नींद है जरूरी

शरीर को सेहतमंद बनाए रखने के लिए हर व्यक्ति को 7-8 घंटे की नींद लेना जरूरी होता है। बिजी लाइफस्टाइल के बाद भी आपको पर्याप्त नींद लेनी चाहिए। क्योंकि नींद पूरी न होने पर हार्मोन्स असंतुलित हो जाते हैं, जो न सिर्फ शरीर बल्कि स्किन के लिए भी सही नहीं होता है। अच्छी नींद न लेने से आंखों में सूजन, काले घेरे और डल स्किन की समस्या होने लगती है।

स्किन को रखें साफ

अगर आप भी सिलेब्रिटीज जैसी स्किन पाना चाहते हैं तो अपनी स्किन को साफ रखें। इसके लिए सप्ताह में 2 बार स्किन को स्क्रब जरूर करें। वहीं स्किन पर ज्यादा देर के लिए मेकअप न लगा रहने दें। अपनी स्किन को साफ करने के लिए सुबह-शाम फेसवॉश का इस्तेमाल करें। वहीं रात में सोने से पहले चेहरे पर क्रीम या लोशन जरूर लगाएं।

एक्सरसाइज भी है जरूरी

आपने देखा होगा कि सिलेब्रिटीज रोजाना एक्सरसाइज करते हैं। यह उनकी खूबसूरती का सबसे बड़ा राज होता है। स्किन में कसाव बनाए रखने के लिए एक्सरसाइज और योगा को अपनी डेली रूटीन में शामिल करना चाहिए। आप मत्स्यासन, हलासन, धनुरासन, अधोमुख श्वानासन, पश्चिमोत्तानासन आदि आसन का अभ्यास कर सकते हैं। इसके अलावा आप रोजाना 40 मिनट जरूर पैदल चलें।

विंटर में आपकी स्किन का ख्याल रखेगा एलोवेरा फेस पैक

एलोवेरा स्किन की कई तरह की प्रॉब्लम्स को नेचुरल तरीके से दूर कर सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको एलोवेरा की मदद से बनने वाले कुछ ऐसे फेस पैक के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप विंटर में आसानी से बनाकर अपनी स्किन का ख्याल रख सकते हैं।

जब ठंड का मौसम होता है तो स्किन को अतिरिक्त केयर की जरूरत होती है ताकि स्किन अधिक स्मूद नजर आए। इस मौसम में स्किन का ख्याल रखने के लिए एलोवेरा का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। दरअसल, एलोवेरा स्किन की कई तरह की प्रॉब्लम्स को नेचुरल तरीके से दूर कर सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको एलोवेरा की मदद से बनने वाले कुछ ऐसे फेस पैक के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप विंटर में आसानी से बनाकर अपनी स्किन का ख्याल रख सकते हैं-

एलोवेरा और शहद से बनाएं फेस पैक

अगर विंटर में आप अपनी रूखी स्किन से परेशान रहते हैं तो ऐसे में एलोवेरा और शहद की मदद से फेस पैक बना सकते हैं-

आवश्यक सामग्री-

- दो बड़े चम्मच एलोवेरा जेल
- एक चम्मच शहद
- एक चम्मच रोज वाटर

फेस पैक बनाने का तरीका-

- फेस पैक बनाने के लिए आप सबसे पहले एलोवेरा का पत्ता तोड़कर उसका जेल निकाल लें।
- अब आप इस जेल में शहद व रोज वाटर मिक्स करें।
- इसके बाद आप अपने फेस को क्लीन करके इस पैक को चेहरे पर लगाएं और बेहद हल्के हाथों से मसाज करें।
- करीबन 10 मिनट बाद गुनगुने पानी की मदद से फेस वॉश करें।

एलोवेरा जेल और टी ट्री ऑयल से बनाएं फेस पैक

अगर आपकी स्किन बहुत अधिक ऑयली है या फिर एक्ने प्रोन है तो ऐसे में आप इस फेस पैक को बना सकती हैं।

आवश्यक सामग्री-

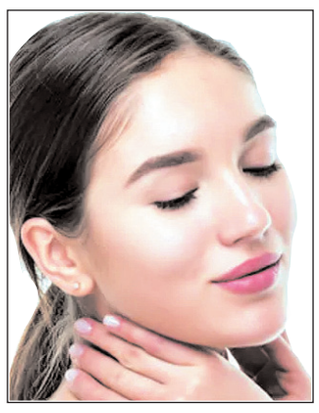

- 2 बड़े चम्मच एलोवेरा जेल , 1 बड़ा चम्मच रोज वाटर, 2-3 बूंद टी ट्री ऑयल , सबसे पहले आप एलोवेरा के पत्ते को तोड़कर उसका जेल निकाल लें। अब आप इस जेल में रोज वाटर और 2-3 बूंद टी ट्री ऑयल मिलाएं। अब आप इसे पैक को अपने चेहरे पर 15-20 मिनट के लिए लगाएं और फिर इसे धो लें। आप सप्ताह में एक से दो बार इस फेस पैक को लगा सकते हैं। अगर आपकी स्किन को विंटर में डीप नरिश्मेंट देना चाहती हैं तो ऐसे में एलोवेरा जेल को विटामिन ई ऑयल कैप्सूल को मिक्स करें।

अपनी लैश हेयर के मुताबिक चुने आईलैश, आंखें दिखाई देंगी ज्यादा खूबसूरत

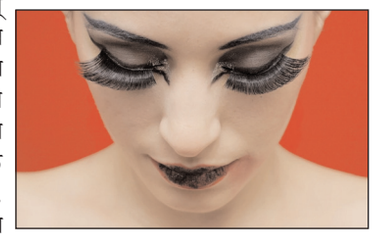

आंखे चेहरे की खूबसूरती का अहम् हिस्सा होती हैं। महिलायें मेकअप करते समय आई मेकअप का विशेष ध्यान रखती हैं। जिससे उनकी आंखें ज्यादा खूबसूरत दिखे। इसके लिए वो आई लाइनर, आई शैडो, मस्कारा का इस्तेमाल करती हैं। आंखों को हाईलाइट करने के लिए आईलैश अप्लाई करती हैं। आईलैशेस के बिना आंखों का मेकअप पूरा नहीं होता। कभी-कभी गलत आईलैशेस अप्लाई करने से पूरा मेकअप ख़राब हो जाता है। आज हम आपको बताने जा रहें हैं कुछ ऐसे आसान टिप्स जिससे आप अपनी लैशहेयर के मुताबिक आईलैशेस सेलेक्ट कर सकती हैं।

जिगजैग आईलैश

अगर आपकी आईलैश कम हैं या बिलकुल ना के बराबर हैं तो आपके लिए जिगजैग आईलैशेस सही रहेंगी। ये आईलैश बहुत हैवी नहीं होती हैं आप इसे किसी भी मौके पर अप्लाई कर सकती हैं। जिगजैग आईलैश की और भी बहुत सी वैरायटी आपको मिल जाएगी। आप अपने हिसाब से चुन सकती हैं। ये आईलैशेस आप शादी जैसे बड़े फंक्शन के लिए भी इस्तेमाल कर सकती हैं। आईलैशेस अप्लाई करने के बाद मस्कारा जरूर लगायें। जिगजैग आईलैश को हल्का कर्ल करें। इसको बहुत ज्यादा कर्ल नहीं करना है।

सभी के लिए परफेक्ट मिंक आईलैश

अगर आपकी आईलैश नार्मल हैं या कम हैं और आंखें छोटी हैं तो आपके लिए मिंक आईलैश परफेक्ट हैं। ये आईलैश सभी के लिए परफेक्ट हैं। मिंक आईलैश आप किसी सामान्य फंक्शन या त्यौहार के लिए सेलेक्ट कर सकती हैं। मिंक आईलैश अप्लाई करने के बाद इसको कर्ल करना ना भूलें। मैचिंग मस्कारा अप्लाई करके आप आईलैश की खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं। मिंक आईलैश बहुत महंगी नहीं होती हैं। अगर आपकी आईलैश नार्मल है बहुत कम या बहुत ज्यादा नहीं हैं तो भी यह आपके लिए परफेक्ट है।

हैवी आईलैश

हैवी आईलैश का इस्तेमाल किसी भी मौके पर नहीं किया जा सकता ये दिखने में बहुत हैवी होते हैं। अगर आपकी आंखें छोटी हैं और आईलैश कम है तो आप हैवी आईलैश इस्तेमाल ना करें क्योकि इससे आपकी आंखें ज्यादा छोटी नजर आ सकती हैं। हैवी आईलैश ज्यादातर ब्राइडल मेकअप के लिए इस्तेमाल किया जाता है। अगर आँखे साधारण है और आईलैश बहुत कम है तो आप हैवी आईलैश का इस्तेमाल ना करें। आप मीडियम आईलैश अप्लाई कर सकती हैं। हैवीआईलैश अप्लाई करने के बाद अच्छी तरह से मस्कारा अप्लाई करें। आईलैश अप्लाई करने के बाद कर्लर का इस्तेमाल जरूरी है खासकर हैवी आईलैशेस के साथ।

इस तरह रिपेयर कर दोबारा पहन सकेंगे पुरानी जींस, सालों-साल कर पाएंगे इस्तेमाल

कैरी करने के लिए कुछ खास टिप्स और ट्रिक्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

कुछ जींसे ऐसी भी होती हैं जो पुरानी होने के साथ आपकी फेवरेट होती है। लेकिन समय के साथ यह टाइट, लूज या फिर उनका कलर फेड होने लगता है। ऐसे में हम आपको पुरानी जींस को वापस कैरी करने के लिए कुछ खास टिप्स और ट्रिक्स के बारे में बताने जा रहे हैं। आज के समय में ज्यादातर हर लड़कियों के वार्डरोब में जींस जरूर शामिल होती है। वहीं जींस में लड़कियों का लुक भी काफी अच्छा होता है। ऐसे में लड़कियां शर्ट, टॉप और कुर्ते आदि के साथ जींस पहन सकती हैं। लेकिन कुछ जींसे ऐसी भी होती हैं जो पुरानी होने के साथ आपकी फेवरेट होती है। फेवरेट होने की वजह से आप उन्हें अपने वार्डरोब का हिस्सा बनाकर रखती हैं। इसके साथ ही आपकी फेवरेट पुरानी जींस समय के साथ यह टाइट, लूज या फिर उनका कलर फेड होने लगता है।

इन तमाम कारणों से आप अपनी फेवरेट जींस को पहन नहीं पाती हैं। क्योंकि अब आपकी वही फेवरेट जींस आपका लुक बिगाड़ सकती है। ऐसे में अगर आपकी भी वार्डरोब में ऐसी जींस है, जिनको आप दोबारा पहनना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पुरानी जींस को वापस कैरी करने के लिए कुछ खास टिप्स और ट्रिक्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

ऐसे पहनें टाइट जींस

ऐसे में अगर आपके वार्डरोब में शामिल जींस थोड़ा टाइट है, तो उसको स्ट्रेच पहनने योग्य बनाया जा सकता है। टाइट जींस को स्ट्रेचबल या सही करने के लिए गर्म पानी को स्प्रे बोतल में भर लीजिए। इसके बाद अपनी जींस को हैंगर पर टांगकर उसकी थाई व कमर के पास गर्म पानी से स्प्रे करें। फिर जींस को हल्का-हल्का सा स्ट्रेच करें। आपने जींस के जिस हिस्से को स्ट्रेच किया है, उसको एक पूरा दिन वैसे ही हैंगर में टंगा रहने दें। अगले दिन जब आप उस जींस को पहनेंगी तो वही पुरानी टाइट जींस आपको ढीली होगी।

ढीली जींस को ऐसे करें टाइट

कई बार जो जींस आपको फिट हुआ करती थीं, वही अगर अब आपको लूज हो रही है। तो आपको बता दें कि आप इस तरह से उसको दोबारा कैरी कर सकती हैं। क्योंकि इन दिनों लूज जींस का फैशन है। इसलिए अगर आपकी जींस थोड़ा ढीली है, तो आप उसको वैसे ही पहन सकती हैं। ढीली शर्ट व टॉप के साथ आपका इसमें काफी अच्छा लुक आएगा। लेकिन अगर आपकी फिट जींस आपको काफी लूज होने लगी है, तो आप उसे कमर की एक साइड से सिल सकती हैं। या फिर खुद न सिल पाने पर आप उसे दर्जी से सिलवा सकती हैं।

उतर गया है जींस का रंग

जब जींस ज्यादा पुरानी हो जाती हैं, तो उसका रंग भी हल्का होने लगता है। ऐसे में अगर आप उस जींस को दोबारा पहनना चाहती हैं, तो आप उसे दोबारा कलर करवा सकती हैं। वहीं आप जींस को घर पर भी आसानी से कलर कर सकती हैं। इसके लिए आपको मार्केट से कपड़े वाला रंग लाना होगा। फिर इस रंग को गर्म पानी में मिलाकर अपनी जींस को उसमें भिगो दें। जब जींस अच्छे से कलर ले ले तो उसको साफ कर लें। इसके अलावा आप अपनी जींस का कैपरी या शॉर्टस बनवाकर उसे रियूज में ला सकती हैं।

आपको बता दें कि डेनिम को कई तरह से इस्तेमाल किया जा सकता है। आप अपनी फेवरेट पुरानी जींस को नए ड्रेस में चेंजकर रियूज कर सकती हैं। इसके अलावा आप उस जींस से बेल्ट, वेस्ट कोट, स्कर्ट या फिर अन्य चीजें जैसे हैंडबैग आदि भी बनाकर इस्तेमाल कर सकती हैं।

इस सर्दी नहीं झड़ेंगे आपके बाल, घर पर ही अपनाएं ये टिप्स, मिलेगा जबरदस्त फायदा

सर्दियो में बाल रूखे, कमजोर और अत्यधिक मात्रा में झड़ना शरू हो जाते हैं. जो हमें चिंता में डाल देता है. बालों के झड़ने का महंगा इलाज नहीं करा सकते लेकिन अपने अत्यधिक बालों के झड़ने के बारे में चिंतित हैं, ये तो घरेलू उपाय आपके बेहद काम आ सकते हैं.

गर्म तेल की मालिश- थोड़ा सा तेल गर्म करें (नारियल या बादाम का तेल) और धीरे-धीरे अपनी उंगलियों से अपने स्कैल्प की मालिश करें. यह बालों के रोम में रक्त के प्रवाह को बढ़ाता है, आपके बालों की जड़ों की ताकत बढ़ाता है और आपके सिर की त्वचा को कंडीशन करता है.

प्याज का रस- प्याज में मौजूद उच्च सल्फर सामग्री के कारण बालों को झड़ने से बचाता है. प्याज का रस बालों को मजबूती देने और झड़ने से बचाने में मदद करता है. इसे बालों में लगाने से सेल्स के छोटे बाल बढ़ना शुरू हो जाते हैं सूजन कम होता है. प्याज के रस में एंटी-बैक्टीरियल गुणों की मौजूदगी उन कीटाणुओं को मारने में मदद करती है जो स्कैल्प के संक्रमण का कारण बनते हैं जिससे बाल झड़ सकते हैं.

चुकंदर का रस- चुकंदर आपके बालों के झड़ने का कारण बनने वाले पोषक तत्वों की कमी को पूरा करने में आपकी मदद करता है. तो इसे अपने आहार में शामिल करें और इस समस्या को जड़ से खत्म करें.

ग्रीन टी- ग्रीन टी बालों के रोम को पुनर्जीवित करती है और बालों के उत्पादन को उत्तेजित करती है. यह आपके चयापचय को भी बढ़ाता है जो बालों के विकास की दर को बढ़ाता है. बस ग्रीन टी के घोल से अपने बालों को कंडीशन करें और बदलाव देखें!

ध्यान करें- बालों के झड़ने का एक मुख्य कारण तनाव भी है. माना जाता है कि जब आप तनाव में होते हैं तो आपके खाने-पीने का तौर तरीका बदल जाता है, साथ ही ये आपके हार्मोन को भी प्रभावित करता है, ऐसे में मेडिटेशन एक अच्छा उपाय है, इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और इस परेशानी से छुटकारा पाएं.

भारतीय आंवला- बालों से संबंधित समस्याओं के इलाज के लिए आंवला से बेहतर क्या है? बालों के झड़ने के प्रमुख कारणों में से एक विटामिन सी की कमी है और आंवला इसका एक समृद्ध स्रोत है, इसे हमारे सिस्टम में वापस भरने का कोई बेहतर तरीका नहीं है! यह एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है जो डैंड्रफ और स्कैल्प की सूजन को रोकता है. इस प्रकार आंवला स्कैल्प को साफ रखता है और बालों की जड़ों को बनाने के लिए आवश्यक पोषण प्रदान करता है.

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू होगा

नईदिल्ली। संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से 9 फरवरी तक चलने वाला है और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वित्त वर्ष 2025 के लिए अंतरिम बजट 1 फरवरी को पेश करेंगी। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 31 जनवरी को बजट सत्र की शुरुआत के साथ संसद के दोनों सदनों को संबोधित करेंगी। सूत्रों ने यह भी बताया कि अंतरिम बजट में महिला, किसानों के लिए पीएम किसान सम्मान निधि को दोगुना करने का प्रस्ताव हो सकता है। कोई अन्य प्रमुख विधायी परिवर्तन वर्तमान में एजेंडे का हिस्सा नहीं है। यह प्रस्तावित प्रोत्साहन, यदि 1 फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत अंतरिम बजट में पेश किया जाता है, तो आगामी लोकसभा चुनाव 2024 से पहले महिला कृषि श्रमिकों को सशक्त बनाने की दिशा में एक कदम होगा।

कांग्रेस नेताओं को गिरिराज सिंह ने बताया मौसमी हिंदू

नईदिल्ली। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए अपने नेताओं को मौसमी हिंदू करार दिया, क्योंकि पार्टी के शीर्ष नेताओं ने 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक समारोह के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया था। कांग्रेस पार्टी ने बुधवार को घोषणा की कि पार्टी नेताओं ने इसे आरएसएस/ भाजपा का कार्यक्रम बताकर निमंत्रण ठुकरा दिया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय जनता पार्टी के नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, ये लोग मौसमी हिंदू हैं, जब उन्हें लगता है कि उन्हें वोट लेना है तो वे नरम हिंदू बनने की कोशिश करते हैं। भाजपा नेता ने आगे कहा कि मामले को कोर्ट में लटकाने का काम कांग्रेस पार्टी ने ही किया था, इसलिए उनमें अयोध्या जाने का नैतिक बल नहीं है। यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सरकार या बीजेपी की ओर से निमंत्रण नहीं भेजा गया था। इसे राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने भेजा था। निमंत्रण को अस्वीकार करने से यह फिर से साबित हो गया है कि वे भगवान राम के खिलाफ हैं।

ये गांधी की नहीं, नेहरू की पार्टी है कांग्रेस : सुधांशु त्रिवेदी

नईदिल्ली। कांग्रेस द्वारा अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के निमंत्रण को अस्वीकार करने पर, भाजपा लगातार देश की सबसे पुरानी पार्टी पर हमलावार है। गुरुवार को भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने वार करते हुए कहा कि कांग्रेस ने नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया। कांग्रेस ने जी20 समिट का बहिष्कार किया...2004 के बाद 2009 तक कांग्रेस ने कारगिल विजय दिवस का बहिष्कार किया। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के नेतृत्व में मई 1998 में किये गये पोखरण परमाणु परीक्षण के बाद कांग्रेस ने 10 दिनों तक कोई बयान नहीं दिया। इसके साथ ही भाजपा नेता ने दावा किया कि कांग्रेस ने भी अपनी पार्टी के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के भारत रत्न समारोह का बहिष्कार किया था। जनता भी उनका सत्ता से बहिष्कार कर रही है। उन्होंने कहा कि ये नेहरू की कांग्रेस है, ये गांधी की कांग्रेस नहीं है।

पवार ने सेना बनाम सेना फैसले में उद्धव का किया समर्थन

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा कि शिवसेना विधायकों की अयोग्यता मामले में महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष का फैसला बिल्कुल भी आश्चर्यजनक नहीं था। पुणे में पत्रकारों से बात करते हुए पवार ने कहा कि महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के घटक शिवसेना का उद्धव ठाकरे गुट और की सामूहिक राय थी कि फैसला उनके पक्ष में नहीं बल्कि सत्तारूढ़ पार्टी के पक्ष में होगा। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि जून 2022 में जब प्रतिद्वंद्वी समूह उभरा तो शिंदे के नेतृत्व वाला शिवसेना गुट ही असली शिवसेना था। मुख्यमंत्री शिंदे समेत सरकार के लोगों ने कई मौकों पर इस बारे में बात की थी कि किस तरह का फैसला आने वाला है और इससे पता चलता है कि उन्हें फैसले (उनके पक्ष में जाने) का अंदाजा था और यह आश्वासन उनके बयानों में झलका। राकांपा प्रमुख ने कहा कि ठाकरे को सर्वोच्च न्यायालय जाना होगा और यह विश्वास करने का एक अच्छा कारण है कि उनके गुट को न्याय मिलेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने नवाब मलिक जमानत छह महीने तक बढ़ाई

नईदिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। मलिक ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच किए जा रहे मामले में चिकित्सा आधार पर जमानत देने से इनकार करने के बॉम्बे हाई कोर्ट के 13 जुलाई, 2023 के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू के बाद मलिक को दी गई मेडिकल जमानत की अवधि बढ़ा दी, जिसमें उन्होंने कहा कि जांच एजेंसी को इस पर कोई आपत्ति नहीं है। शीर्ष अदालत ने पहले कहा था कि मलिक किडनी की बीमारी से पीड़ित हैं और पिछले साल 11 अगस्त को दो महीने के लिए अंतरिम जमानत मिलने के बाद से उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ है।

राजद विधायक भाई बीरेन्द्र ने कहा- लोकसभा सीटों बंटवारा हो चुका...

महागठबंधन में शामिल सभी दल को हैसियत अनुसार दी सीटें, हाथ की सभी उंगली एक बराबर नहीं

पटना। इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर जारी रस्साकस्सी के बीच राजद विधायक भाई बीरेन्द्र ने कहा है कि महागठबंधन में बिहार की सभी लोकसभा सीटों बंटवारा हो चुका है। उन्होंने कहा कि सभी दलों को उसके हैसियत से सीटें दी जा चुकी हैं। इसकी औपचारिक घोषणा जल्द होगी।

राजद हो या कांग्रेस, जदयू अथवा अन्य दल सभी दलों को उसके जमीनी हकीकत के अनुसार सीटें दी गई हैं। हालांकि उन्होंने यह खुलासा नहीं किया कि किस दल को कितनी सीटें मिली हैं और विशेषकर राजद कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगा? वहीं राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव को महागठबंधन का बड़ा भाई बताते हुए भाई बीरेंद्र ने कहा कि हाथ की सभी उंगली एक बराबर नहीं है।

वैसे ही सभी दल की हैसियत एक जैसी नहीं है। इसलिए लोकसभा चुनाव में महागठबंधन के घटक दलों को उनके हैसियत अनुसार ही सीटें दी गई हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे को लेकर भाई बीरेंद्र ने कहा कि किसी के आने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। चुनाव के समय उनका दौरा होता रहता है। उनके आने से कोई फर्क नहीं पड़ता है।

एक दिन पहले ही केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के पटना दौरा के दौरान लालू- तेजस्वी को लेकर दिए बयान पर भाई बीरेंद्र ने तंज कसते हुए कहा कि हम तो जानते ही नहीं स्मृति ईरानी कौन है? हम किसी को नहीं जानते हैं। वहीं, अयोध्या राम मंदिर को लेकर भाजपा नेताओं की ओर से विपक्ष पर निशाना साधने पर भाई बीरेंद्र ने कहा कि हम लोग राम के भक्त हैं।

एनडीए रावण है, इसलिए भगवान राम अब रावण का वध करेंगे। उल्लेखनीय है कि जदयू ने पहले ही कहा है कि उसके पास जो 16 लोकसभा की सीटें हैं, वह उस पर चुनाव लड़ेगी। वहीं, कांग्रेस की ओर से भी पिछले लोकसभा चुनाव की तरह इस बार भी 9 लोकसभा सीटों की मांग की गई है।

वाम दलों ने भी कई सीटों पर दावा ठोक रखा है। इन

सबके बीच राजद बिहार में सबसे ज्यादा विधायकों वाली पार्टी है। ऐसे में भाई बीरेंद्र का यह बयान अपने में काफी चौंकाने वाला है कि एक ओर महागठबंधन के अन्य दल सीट बंटवारे पर कई तरह के दावे कर रहे हैं तो राजद नेता ने बंटवारा हो जाने की बातें कही हैं।

टीएमसी का गठबंधन समिति की बैठक में नहीं आने का फैसला

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) 28 विपक्षी दलों के गठबंधन- इंडिया के सबसे अहम घटकों में एक माना जा रहा है। गठबंधन में शामिल राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के बीच सीट शेयरिंग को लेकर मंथन का दौर भी जारी है। कांग्रेस पार्टी की आंतरिक गठबंधन समिति भी सीटों के बंटवारे पर चर्चा कर रही है। कांग्रेस इंडिया में शामिल सबसे बड़ी पार्टी है। टीएमसी और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को पेचीदा माना जा रहा है। इसी बीच सूत्रों ने कहा है कि कांग्रेस के साथ गठबंधन के मुद्दे पर चर्चा के लिए तृणमूल कांग्रेस ने बैठक में शामिल न होने का फैसला लिया है।

सूत्रों के मुताबिक पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने सीट शेयरिंग के मामले में अपनी राय कांग्रेस को बता दी है। उन्होंने गुरुवार को बताया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और टीएमसी नेताओं ने सीटों के बंटवारे पर कांग्रेस के गठबंधन पैनल के साथ बैठक नहीं करने का फैसला लिया है। टीएमसी सूत्रों के मुताबिक गठबंधन समिति के साथ किसी भी बैठक में तृणमूल अपने प्रतिनिधियों को नहीं भेजेगी। तृणमूल के मुताबिक वह पहले ही कांग्रेस पार्टी को अपना रुख बता चुकी है।

एक राष्ट्र एक चुनाव से सहमत नहीं ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी एक राष्ट्र एक चुनाव से सहमत नहीं है। उन्होंने गुरुवार को एक राष्ट्र, एक चुनाव पर उच्च स्तरीय समिति को पत्र लिखकर असहमति व्यक्त की है। पत्र में टीएमसी सुप्रीमो ने कहा, मुझे खेद है कि मैं एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा से सहमत नहीं हो सकती। ममता दीदी ने विवादास्पद एक राष्ट्र, एक चुनाव के विचार पर प्रहार करते हुए इसे संविधान की मूल संरचना को नष्ट करने की योजना और निरंकुशता को लोकतांत्रिक जामा पहनाने की अनुमति देने वाली प्रणाली करार दिया। बनर्जी ने जोर देकर कहा, मैं निरंकुशता के खिलाफ हूं और इसलिए, आपके डिजाइन के खिलाफ हूं। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने मोदी सरकार की आलोचना करते हुए व्यंग्यात्मक रूप में कहा, ऐसा लगता है कि आप किसी प्रकार की एकतरफा ऊपर से नीचे की ओर संदेश दे रहे हैं केंद्र सरकार द्वारा पहले ही लिया जा चुका निर्णय - एक ऐसा ढांचा लागू करना जो वास्तव में लोकतांत्रिक और संघीय (राष्ट्र) की भावना के खिलाफ है। पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द के नेतृत्व वाली एक उच्च-स्तरीय समिति के सचिव डॉ. नितेन चंद्रा को एक विस्तृत पत्र में उन्होंने कहा कि उन्हें सिद्धांत के साथ बुनियादी वैचारिक और आपके पद्धतिगत दृष्टिकोण में कठिनाइयाँ हैं। उन्होंने जो दो वैचारिक मुद्दे उठाए, जिनमें एक राष्ट्र शब्द का संवैधानिक और संरचनात्मक निहितार्थ। महत्वपूर्ण रूप से, संसदीय और विधानसभा चुनावों के समय पर सवाल, खासकर जब मौजूदा चुनाव चक्रों में महत्वपूर्ण अंतर होता है।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने से इनकार पर सरमा का कटाक्ष

कांग्रेस राम मंदिर के निमंत्रण के लायक नहीं : हिमंत बिस्वा सरमा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने 22 जनवरी को राम मंदिर अभिषेक समारोह में शामिल होने से इनकार करने पर गुरुवार को कांग्रेस पार्टी पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने पापों को कम करने का एक सुनहरा अवसर गंवा दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी निमंत्रण की हकदार नहीं है। सरमा ने कहा कि विहिप ने अपने नेतृत्व को श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होने का निमंत्रण देकर कांग्रेस पार्टी को अपना पाप कम करने का सुनहरा अवसर दिया था। हालाँकि, मेरी विनम्र राय में वे शुरू से ही राम मंदिर के खिलाफ अपने विचारों के लिए इस तरह के निमंत्रण के हकदार नहीं थे।

कांग्रेस ने बुधवार को उद्घाटन को आरएसएस/भाजपा कार्यक्रम कहा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर चुनावी लाभ के लिए इस कार्यक्रम को एक राजनीतिक परियोजना बनाने का आरोप लगाया। धर्म एक व्यक्तिगत मामला है। लेकिन आरएसएस/बीजेपी ने लंबे समय से अयोध्या में मंदिर का राजनीतिक प्रोजेक्ट बनाया है. भाजपा और आरएसएस के नेताओं द्वारा अधूरे मंदिर का उद्घाटन स्पष्ट रूप से चुनावी लाभ के लिए किया गया है।

सरमा ने कहा कि पार्टी निमंत्रण स्वीकार करके हिंदू समुदाय से माफी मांग सकती थी। उन्होंने कहा कि इस निमंत्रण को स्वीकार करके वे प्रतीकात्मक रूप से हिंदू समाज से माफी मांग सकते थे। सरमा ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का विषय भी उठाया।

बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक है कांग्रेस का अयोध्या निमंत्रण ठुकराना: भाजपा

राम मंदिर उद्घाटन को बीजेपी और आरएसएस का कार्यक्रम करार देते हुए कांग्रेस ने 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण ठुकरा दिया, जिसके बाद भारतीय जनता

पार्टी के नेताओं ने कड़ी आलोचना की है। भाजपा ने कांग्रेस द्वारा अयोध्या निमंत्रण ठुकराने को दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक करार दिया है।

इससे पहले बुधवार को कांग्रेस ने घोषणा की कि वह अयोध्या राम मंदिर के लिए आयोजित किए जा रहे उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं होगी। इसके साथ ही कांग्रेस ने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर आरोप लगाया कि वो राम मंदिर समारोह का राजनीतिकरण कर रही है। मीडिया के अनुसार इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि भगवान राम का प्राण प्रतिष्ठा समारोह पूरे देश के लिए खुशी की बात है।

उन्होंने कांग्रेस पर सीधा हमला करते हुए कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक है कि कांग्रेस ने हमेशा राम जन्मभूमि आंदोलन का विरोध किया। कांग्रेस पार्टी ने देश पर शासन किया था लेकिन आज वह कहां सिमट गई है? भविष्य के चुनावों में भी उसका सफाया हो जाएगा। वो कह रही है कि यह संघ का कार्यक्रम है? यह संघ का नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र का कार्यक्रम है। पूरी दुनिया इसका इंतजार कर रही है।

वहीं बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने भी इस मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हर चीज का बहिष्कार करती है, चाहे वह राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह हो या पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी का भारत रत्न समारोह हो।

खेल
प्रमुख समाचार

कोहली-रोहित की मौजूदगी से भारत को टी20 वर्ल्ड कप में मजबूती मिलेगी : सुरेश रैना

नईदिल्ली। पूर्व भारतीय आल राउंडर सुरेश रैना ने विश्व कप को देखते हुए अनुभवी रोहित शर्मा और विराट कोहली को अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए राष्ट्रीय टीम में शामिल करने को गुरुवार को समझदारी भरा फैसला करार दिया। रोहित और कोहली की 14 महीने बाद भारत की टी20 टीम में वापसी हुई है।

रैना ने कहा कि उनकी मौजूदगी से टीम को मजबूती मिलेगी। रैना 'जियो सिनेमा और स्पोर्ट्स18' में विशेषज्ञ हैं, उन्होंने कहा, ''अगर आप विश्व कप के अमेरिका और वेस्टइंडीज में स्टेडियम को देखो तो विकेट थोड़ा पेचीदा होगा। भारत को वहां पर रोहित और कोहली के अनुभव की जरूरत होगी। कोहली टी20 क्रिकेट में 12,000 रन बनाने के करीब हैं। '' उन्होंने कहा, ''इसलिये इनकी मौजूदगी से भारत की बल्लेबाजी मजबूत होगी और भारत की टी20 विश्व कप में जीतने की संभावना भी निश्चित रूप से बेहतर होगी। ''

उन्होंने कहा, ''वनडे विश्व कप में उनकी फॉर्म बहुत अच्छी थी और बतौर कप्तान रोहित की मौजूदगी से ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों का जज्बा मजबूत होता है। '' रैना की राय में कोहली को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करानी चाहिए और पारी का आगाज करने की जिम्मेदारी रोहित और यशस्वी जायसवाल की होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि कोहली को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। उसके अनुभव से मजबूती मिलेगी विशेषकर अमेरिका और वेस्टइंडीज की चुनौतीपूर्ण पिचों पर। टीम में युवा और निर्भीक क्रिकेटर जैसे जायसवाल, रिंकू सिंह या शुभमन गिल मौजूद हैं लेकिन रोहित और कोहली बल्लेबाजी इकाई को मजबूती देंगे। ''

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 71,721 पर बंद निफ्टी 29 अंक बढ़ा

नईदिल्ली। एशियाई बाजारों में तेजी के बीच भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लगातार तीसरे ट्रेडिंग सेशन में बढ़त में रहा और सेंसेक्स 63 अंक की मामूली बढ़त लेकर बंद हुआ। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स आज तेजी के साथ 71,907.75 पर खुला और कारोबार के दौरान यह 71,999.47 तक गया। अंत में सेंसेक्स 0.09 प्रतिशत या 63.47 अंक की मामूली बढ़त लेकर 71,721.18 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 0.13 फीसदी या 28.50 अंक बढ़कर 21,647.20 पर बंद हुआ। निफ्टी-50 की 25 कंपनियों के शेयर हरे और 24 के लाल निशान में बंद हुए जबकि एक शेयर में कोई घटबढ़ नहीं हुई। सेंसेक्स की कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में सबसे ज्यादा तेजी आई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर आज 2.58 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ।

केंद्रीय बैंक क्रिप्टो करेंसी नियमों पर दूसरों का अनुकरण नहीं करेगा

नईदिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को कहा कि केंद्रीय बैंक क्रिप्टो करेंसी नियमों पर दूसरों का अनुकरण नहीं करेगा और ''जो दूसरे बाजार के लिए अच्छा है, जरूरी नहीं कि वह हमारे लिए भी अच्छा हो।'' अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग द्वारा अमेरिका में बिटकॉइन एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड के निर्माण की अनुमति देने के लिए बदलावों को मंजूरी देने के बाद उनका यह बयान आया है। क्रिप्टो करेंसी नियमों पर दास ने कहा, '' जो दूसरे बाजार के लिए अच्छा है, जरूरी नहीं कि वह हमारे लिए भी अच्छा हो। इसलिए हमारे विचार, रिजर्व बैंक के.. और व्यक्तिगत रूप से मेरे..वही रहेंगे।'' दास ने मिंट प्रकाशन द्वारा आयोजित बीएफएसआई शिखर सम्मेलन में यह बात कही।

चुनाव पूर्व बजट से महंगाई बढ़ने के आसार नहीं: शक्तिकांत दास

नईदिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने आज यानी गुरुवार को कहा कि पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए चुनाव पूर्व बजट से महंगाई बढ़ने के आसार नहीं है। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और वित्त मंत्रालय द्वारा आयोजित वैश्विक आर्थिक नीति मंच 2023 के दौरान पिछले महीने कहा था कि एक फरवरी 2024 को पेश किए जाने वाले बजट में कोई ''बड़ी घोषणा'' नहीं होगी क्योंकि यह आम चुनाव से पहले लेखानुदान होगा। सीतारमण ने कहा, '' यह सच है कि एक फरवरी 2024 को जो बजट घोषित किया जाएगा वह सिर्फ 'वोट ऑन अकाउंट' होगा क्योंकि हम चुनाव की तैयारी में होंगे। इसलिए सरकार जो बजट पेश करेगी वह सिर्फ तब तक के लिए सरकारी खर्चों को पूरा करने के वास्ते होगा जब तक कोई नई सरकार नहीं बन जाती।''

मेडी असिस्ट हेल्थकेयर का आईपीओ अगले हफ्ते खुलेगा

नईदिल्ली। मेडी असिस्ट हेल्थकेयर सर्विसेज अपना आईपीओ को अगले हफ्ते लॉन्च करने वाली है। यह बीमा कंपनियों को थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेशन सर्विसेज देने वाली कंपनी है। बता दें कि साल 2024 का यह दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ होगा। इससे पहले ज्योति सीएनजी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। यह थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेशन (टीपीए) सर्विस (बीमा कंपनियों के लिए) सेक्टर में सार्वजनिक होने वाली पहली एंटिटी होगी। जनवरी का दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ 15 जनवरी से 17 जनवरी तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। वहीं, एंकर निवेशकों के लिए यह 12 जनवरी को खुल जाएगा। मेडी असिस्ट आईपीओ का प्राइस बैंड 397-418 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है।

बढ़ते कर्ज भार पर ध्यान देने की जरूरत

अजीत रानाडे

हाल में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अपनी एक रिपोर्ट में भारत के बढ़ते संप्रभु कर्ज (केंद्र और राज्य सरकारों का कुल कर्ज भार) पर चिंता व्यक्त की है। मुद्रा कोष का कहना है कि अगले चार साल में यह कर्ज भारत के सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) का सौ प्रतिशत से अधिक हो सकता है। यह सबसे खराब स्थिति का अनुमान है।

भारत सरकार ने इस चेतावनी को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा है कि वास्तव में भारत का कर्ज अनुपात बीते दो वर्षों में 88 से घटकर 81 प्रतिशत हो गया है और सरकार अगले दो सालों में वित्तीय घाटे को कम कर 4.5 प्रतिशत तक लाने के लिए प्रतिबद्ध है। जब यह घाटा अधिक होता है, तो सरकार को भरपाई के लिए कर्ज लेने पर मजबूर होना पड़ता है। हर साल का यह अतिरिक्त ऋण पहले के भारी कर्ज में जुड़ता जाता है। जब कर्ज अधिक होता है, तो सालाना ब्याज भुगतान भी अधिक होता है। इसे कर्ज सर्विसिंग अनुपात कहा जाता है। इस ब्याज भुगतान में ही केंद्र सरकार को लगभग 10 लाख करोड़ रुपये देने पड़ते हैं। यह राशि व्यक्तिगत आयकर या कॉर्पोरेट आयकर संग्रहण (लगभग सात लाख करोड़ रुपये) से बहुत अधिक है। दो वर्षों में ब्याज भुगतान में 38 फीसदी की बड़ी वृद्धि हुई है। यह ब्याज भुगतान अकेले सरकार के खर्च का सबसे बड़ा हिस्सा है, जिस पर सरकार के कुल उत्तरदायित्व का 20 प्रतिशत भाग खर्च हो जाता है। चूंकि ब्याज का भार बहुत अधिक है, तो इसकी वजह से घाटा भी बढ़ता है। घाटा बढ़ने पर फिर कर्ज लेना होता है, जिसके कारण ब्याज के भार में भी बढ़ोतरी होती है। यह दुश्चक्र कर्ज जाल में भी फंसा सकता है। यह केवल ब्याज भरने के लिए

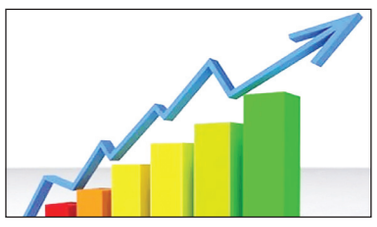

कर्ज लेते रहने जैसा मामला है।

सरकार कब इस कर्ज के पहाड़ को घटा सकती है? यह तभी हो सकता है, जब खर्च की अपेक्षा कर राजस्व में तेज बढ़ोतरी हो। वास्तव में इधर कुछ समय से ऐसा हो रहा है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के संग्रहण में वृद्धि हो रही है। ऐसा होने की एक वजह कुछ सालों में हुए कर कानूनों में सुधार हैं, जिनसे कई खामियां दूर हुई हैं। उदाहरण के लिए, दीर्घकालिक पूंजी लाभ कोई टैक्स नहीं लगता था। शेयर या रियल इस्टेट बेचकर कमाये गये लाभ अब पहले की तरह करमुक्त नहीं हैं। मॉरीशस कर समझौते में भी एक कमी थी, जिसे कुछ साल पहले ठीक किया गया है। लेकिन जीडीपी के अनुपात में कर संग्रहण बढ़ाने के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। वर्तमान में यह लगभग 17 प्रतिशत है। यह सभी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के औसत से कम से कम तीन-चार प्रतिशत नीचे है। जहां तक प्रत्यक्ष करों का प्रश्न है, भारत में ये टैक्स अपेक्षाकृत कम हैं। इस तथ्य को केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा प्रकाशित आर्थिक सर्वेक्षण में रेखांकित किया गया था। दूसरी ओर अप्रत्यक्ष करों का भार बढ़ता जा रहा है। जीएसटी की औसत दर 18 प्रतिशत के उच्च स्तर पर है।

अब भारत के कर्ज के मामले पर वापस आते हैं। सरकार ने मुद्रा कोष की रिपोर्ट की प्रतिक्रिया में एक बात यह कही है कि अमेरिका और ब्रिटेन जैसे अन्य देशों में जीडीपी के अनुपात में तुलनात्मक रूप से बहुत अधिक कर्ज भार है। लेकिन इसमें यह बात नहीं जोड़ी गयी है कि अधिकतर धनी देशों में (जिनमें विकसित राष्ट्र भी शामिल हैं) यही स्थिति है क्योंकि सामाजिक सुरक्षा से संबंधित उनके उत्तरदायित्व बहुत अधिक हैं। ऐसे सभी देशों में सभी बुजुर्ग नागरिकों को पेंशन मिलती है और उनके लिए मुफ्त स्वास्थ्य सेवा है। इन खर्चों की भरपाई कामकाजी लोगों पर लगाये गये करों से होती है। चूंकि धनी देशों की आबादी की उम्र बढ़ रही है और वहां औसत आयु भारत से बहुत ज्यादा है, तो करों से सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का खर्च पूरा नहीं हो पाता। जर्मनी जैसे देश में निर्भरता अनुपात एक और तीन का है यानी हर रिटायर्ड व्यक्ति के लिए तीन कामकाजी लोग हैं। इस प्रकार धनी देशों में बढ़ता खर्च सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के कारण है, जो शायद लंबे समय तक जारी रखना मुश्किल होगा।

भारत स्काउट्स गाइड्स के अलंकरण समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

देश व समाज के निर्माण में समर्पण के साथ कार्य करें

सर्वश्रेष्ठ रोवर, रेंजर, स्काउट्र, गाइडर एवं स्काउट-गाइड को दिया गया राज्यपाल पुरस्कार

रायपुर। भारत स्काउट्स और गाइड्स छत्तीसगढ़ द्वारा आज राज्यस्तरीय अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। राजभवन में संपन्न हुए इस समारोह में राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन ने राज्य के सर्वश्रेष्ठ स्काउटर, गाइडर, रोवर, रेंजर, एवं स्काउट-गाइड को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया। सभी को प्रमाण पत्र के साथ 10-10 हजार रूपए की राशि राज्यपाल की ओर से प्रदान की गई।

इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल श्री हरिचंदन ने कहा कि स्काउट गाइड का मुख्य उद्देश्य देश की सेवा करना है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने ''युवा आवाज विकसित भारत ҫ2047'' नामक एक अभियान शुरू किया है। इस अभियान को सफल बनाने में आप लोगों की महती भूमिका है। आप आगे बढ़ें और देश व समाज को आगे बढ़ाने के लिए समर्पण भाव से कार्य करें।

श्री हरिचंदन ने कहा कि स्काउटिंग एक ऐसी विधा है, जो नई-नई चीजें सीखने में मदद करती है और विभिन्न परिस्थितियों से मुकाबला करने के लिए प्रेरित करती है। स्काउटिंग विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से उच्च चरित्र मूल्यों और आदर्शों का पालन करते हुए अपना काम आसानी से करना सिखाता है। कैंपिंग, लंबी पैदल यात्रा, ट्रैकिंग, आपदा प्रबंधन, साहसिक कार्यक्रम, पर्वतारोहण, प्रकृति अध्ययन आदि कार्यक्रमों के माध्यम से युवा लड़कों और लड़कियों के समग्र विकास में योगदान देता है। प्रतिज्ञा लेने के तुरंत बाद स्काउट्स और गाइड्स को पहले अपने, फिर अपने परिवार के लिए उपयोगी होने की सीख दी जाती है और उन्हें अनुशासित और समर्पित तरीके से राष्ट्र की सेवा करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

श्री हरिचंदन ने पचमढ़ी, कुल्लू मनाली, दार्जिलिंग, गोवा, लेह-लद्दाख, जम्मू-कश्मीर में आयोजित होने वाले साहसिक शिविरों में छत्तीसगढ़ के स्काउट गाइड की सक्रिय भागीदारी और राज्य सरकार द्वारा उन्हें लगातार सुविधा प्रदान करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। राज्यपाल ने सभी स्काउट गाइड के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर स्कूल शिक्षा एवं उच्च शिक्षा मंत्री तथा छत्तीसगढ़ स्काउट गाइड के अध्यक्ष श्री बृजमोहन अग्रवाल ने अपने संबोधन में स्वच्छता, शिक्षा और सरकार की योजनाओं के प्रति जागरूकता लाने के लिए कार्य करने कहा। कार्यक्रम को भारत स्काउट गाइड के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा ने भी संबोधित किया। स्वागत भाषण संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजेश अग्रवाल ने दिया।

हार-जीत तो एक सिक्के के दो पहलू : पायलट

प्रदेश कांग्रेस की विस्तारित कार्यकारणी की बैठक संपन्न

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में आयोजित कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारणी की विस्तारित बैठक संपन्न हो गई है. एआईसीसी महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, प्रभारी सचिव सप्तगिरीशंकर उल्का, संयुक्त सचिव एवं सह प्रभारी विजय जांगिड़ समेत पार्टी के तमाम नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे.

इस बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सचिन पायलट ने कहा कि, मुझे एक नयी जिम्मेदारी दी गयी है. छत्तीसगढ़ के परिणाम आश्चर्यजनक थे। हम चुनाव नही जीत पाये. हार-जीत तो एक सिक्के के दो पहलू है. छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार ने बहुत अच्छा काम किया था, जीवन और राजनीति में पिछे नहीं आगे देखना होगा. आप लोगों की मदद करने के लिये मैं पूरा प्रयास, प्रयत्न करूंगा. आने वाले लोकसभा चुनाव में सबको मिलकर काम करना है. देश के विपक्ष का एकजुटता का प्रयास हुआ है इंडिया एलांइस अनेको पार्टियों को एक गठबंधन बन गया है, बहुत जल्द सीटों का बंटवारा होगा. कई क्षेत्रीय पार्टी जो मजबूत है वहां वह चुनाव लड़ेंगे, कुछ ऐसे राज्य है जहां कांग्रेस और भाजपा का सीधा मुकाबला होगा. सब मिलकर चुनाव लडेंगे तो ऐसे में हम सभी की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। छत्तीसगढ़ की 11 सीटे बहुत महत्वपूर्ण है.

प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने कहा कि, कांग्रेस एक परिवार की तरह है. हम लोगों को अपना दायित्व निभाना है. आने वाले लोकसभा, नगर निगम, नगर पंचायत, जिला पंचायत, पंचायत सभी चुनाव में हमें जीत हासिल करना है. आप दृढ़ संकल्पि रहेंगे तो परिणाम बहुत बेहतर आ सकते है. कांग्रेस के हर कार्यकर्ता के जज्बे को सलाम है।

भारतीय महिला फुटबॉल चैंपियनशिप में भाग लेगी रायपुर की टीम

रायपुर। अखिल भारतीय महिला फुटबॉल चैंपियनशिप में भाग लेने अंगुल उड़ीसा जा रही रायपुर जिला फुटबाल संघ की टीम ने आज प्रदेश के शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल से मुलाकात की। इस दौरान श्री अग्रवाल ने सभी फुटबाल खिलाड़ियों को जीत के लिए शुभकामनाएं देते हुए फुटबॉल किट प्रदान किया। इस अवसर पर

जिला फुटबाल संघ के अध्यक्ष मुस्ताक अली प्रधान, टीम कप्तान जागृति निर्मलकर और संघ के सदस्य आनंद टोप्पो, डी एन बनर्जी भी मौजूद रहे।

पायलट बदलने से नहीं होगा, गाड़ी तो वही है : अरुण साव

रायपुर। स्वच्छता का पुरस्कार लेकर उपमुख्यमंत्री अरुण साव रायपुर पहुंचे. उन्होंने कहा, आज छग को स्वच्छता सर्वे में तीसरा इनाम मिला है. यह छत्तीसगढ़ के लिए एक बड़ी उपलब्धि है. 2014 में प्रधानमंत्री मोदी ने आव्हान किया था, वह अब जन आंदोलन बन गया है. छत्तीसगढ़ को स्वच्छ और सुंदर बनाने में पूरी ताकत से जुटेंगे.

कांग्रेस के बीजेपी श्रेय ले रही है वाले बयान पर अरुण साव ने पलटवार करते हुए कहा, यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ की जनता की है. जनता के प्रयासों से यह उपलब्धि मिली है. जनता को यह इनाम समर्पित करेंगे. कांग्रेस के नए प्रभारी सचिन पायलट के दौरे पर अरुण साव ने कहा,

पायलट बदलने से नहीं होगा गाड़ी तो वही है.

कांग्रेस के अयोध्या नहीं जाने वाले सवाल पर अरुण साव ने तंज कसते हुए कहा, कांग्रेस का वास्तविक चहरा उजागर हुआ है. कांग्रेस मंदिर के निर्माण में रोड़े अटकाती थी. भगवान राम को काल्पनिक कहती थी. फिर से कांग्रेस ने अपना असली चेहरा जनता के सामने प्रस्तुत किया है.

आईएमए के अध्यक्ष ने सीएम साय को लिखा पत्र

एमबीबीएस प्रवेश में लाखों के बैंक गारंटी को हटाने की मांग

रायपुर। एमबीबीएस प्रवेश में लाखों के बैंक गारंटी को हटाने की मांग को लेकर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉक्टर राकेश गुप्ता ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखा है. इसमें डॉ. राकेश गुप्ता ने कहा कि, सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट, अन्य राज्यों में स्पष्ट गाइडलाइन हैं. बैंक गारंटी के कमी के कारण किसी का प्रवेश नहीं रोका जा सकता. लाखों रुपये गारंटी के रूप में देना पड़ता है. 6 साल बाद लौटाया जाता है, जबकि आदेश है एक साल बाद लौटना होता है. इसलिए हमारी मांग है कि बैंक गारंटी नियम को खत्म किया जाए या एक साल बाद बैंक गारंटी वापस किया जाए.

डॉ. राकेश गुप्ता ने आगे पत्र में लिखा है कि, छत्तीसगढ़ के प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस छात्रों की भर्ती के लिए बैंक गारंटी

लिया जा रहा है. जो विभिन्न प्रदेशों के हाईकोर्ट के आदेशों के अनुसार लिया जाना उचित नहीं है. संदर्भित हाईकोर्ट के निर्णय और समाचार पत्रों के लिंक आपसे शेयर कर रहा हूं. इनमें बैंक गारंटी राशि को मेडिकल कॉलेज से वापस करने के लिए निर्देशित किया गया है. हमारी मांग है कि परीक्षण कराकर बैंक गारंटी फीस वापस करवाने के लिए निर्देशित करें. आपके इस जनहित के निर्णय से सैकड़ों छात्र लाभान्वित होंगे और मध्य व निम्न मध्यम वर्ग को वित्तीय राहत मिल सकेगी.

मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद जयंती 'राष्ट्रीय युवा दिवस' पर प्रदेशवासियों को दी बधाई

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विख्यात दार्शनिक और आध्यात्मिक गुरू स्वामी विवेकानंद जी की 12 जनवरी को जयंती 'राष्ट्रीय युवा दिवस' पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है। श्री साय ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि स्वामी विवेकानन्द जी के विचारों ने संपूर्ण समाज को एक नई दिशा दी है। उन्होंने अपने उपदेशों और ओजस्वी व्याख्यानों से देश-दुनिया को मानव जाति की सेवा का मार्ग दिखाया। स्वामी विवेकानंद जी का कुछ समय रायपुर में बीता। स्वामी जी से जुड़ी स्मृतियां राजधानी रायपुर को एक विशेष पहचान देती हैं।

नशे के खिलाफ कार्रवाई करने के सख्त निर्देश

आईजी डांगी ने थाना प्रभारियों की जमकर लगाई क्लास

रायपुर। पुलिस महानिरीक्षक जिला रायपुर आरएल डांगी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत अग्रवाल ने सिविल लाईन स्थित सी-4 भवन के सभाकक्ष में रायपुर के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों एवं समस्त थाना प्रभारियों की बैठक ली। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस बैठक में एसएसपी प्रशांत अग्रवाल ने शहर के 3 से 4 बदमाशों को जिला बदर करने का निर्देश दिया है इसके अलावा नशे के खिलाफ कम कार्रवाई करने वाले राजधानी

के कुछ थाना प्रभारियों की जमकर क्लास भी ली है, जिनमे अभनपुर, तिल्दा, आरंग, कोतवाली सब डिवीजन और थाना पंडरी सहित कुछ अन्य थाने शामिल हैं।

बैठक में पुलिस महानिरीक्षक और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा नशे के पदार्थो के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करने और किसी भी सूरत में किसी प्रकार का कोई भी नशे का सामान नहीं बिकने के निर्देश दिए गए। साथ ही नशे के सामग्रियों को पकड़ने के दौरान उसके अंतिम सप्लाई चैन और आरोपियों की तस्दीक करने भी कहा गया। अवैध रूप से शराब की बिक्री, भण्डारण और परिवहन करने वालों पर कार्रवाई कर इसे भी पूर्णतः प्रतिबंधित करने कहा गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक दिन की शाम को राजपत्रित अधिकारियों सहित थाना प्रभारियों को अपने-अपने अनुभाग एवं थाना क्षेत्रों में पैदल पेट्रोलिंग कर विजिबल पुलिसिंग कर संदिग्ध व असमाजिक तत्वों की चेकिंग करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही थाना क्षेत्र में किसी भी प्रकार की घटना घटित होने पर उस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने निर्देशित किया गया। जेल से रिहा होने वाले अपराधियों पर निगाह रखने और समय-समय पर उनकी चेकिंग करने कहा गया है, ताकि वे पुनः किसी प्रकार की अपराधों को अंजाम न दे सकें।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

बॉडी बिल्डिंग और नेशनल पावर लिफ्टिंग स्पर्धा आज से

रायपुर। 12 से 14 जनवरी को रायपुर जिला बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन और पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन एवं छग प्रदेश बॉडी बिल्डर एसोसिएशन के सयुक्त तत्वाधान में बॉडी बिल्डिंग

पावर लिफ्टिंग वेट लिफ्टिंग की प्रतियोगिता का आयोजन बुदेश्वर मंदिर भवन बूढ़ा गार्डन के सामने किया गया है।

रायपुर जिला बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के सचिव मानिक ताम्रकार एवं पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन छग के महासचिव ऊदल वाल्मीकि ने बताया कि 12 जनवरी को शाम 5 बजे उदघाटन समारोह के मुख्य अतिथि खेल मंत्री टंकराम वर्मा अध्यक्षता प्रमोद दुबे पूर्व महापौर विशेष अतिथि श्री पुरंदर मिश्रा उत्तर विधायक रायपुर एवम हरिवललभ अग्रवाल अध्यक्ष दत्तात्रेय मंदिर ट्रस्ट कामिनी देवांगन पार्षद नगर निगम रायपुर 13 जनवरी को वेस्टर्न इंडिया पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप पुरुष वर्ग का पुरस्कार वितरण रायपुर लोकसभा सांसद श्री सुनील सोनी करेंगे। उसी प्रकार 14 जनवरी को दोपहर 3 बजे महिला वर्ग पावर लिफ्टिंग को पुरस्कृत करेंगे। महिला बाल विकास मंत्री श्री मति लक्ष्मी राजवाड़े साथ में समाज सेवी बसंत अग्रवाल आशु चंद्र वंशी किशोर महानंद रहेंगे।

स्वामी परमार्थ देव ने योग शिविर मे कराये योगाभ्यास

रायपुर। पतंजलि विश्व विद्यालय एवं भारत स्वाभिमान न्यास के संयुक्त तत्वाधान में स्थापना दिवस के अवसर पर शिक्षा संस्कार एवं सनातन धर्म की रक्षा के लिए डॉ. स्वामी परमार्थ देव महाराज मुख्य केंद्रीय प्रभारी के पावन सानिध्य में गुरुवार को अनुपम गार्डन महावीर पार्क रायपुर में प्रातः 6 बजे से 8 बजे के बीच योग शिविर संपन्न हुआ । इस योग शिविर में स्वामी राजीव लोचन महाराज के साथ-साथ संजय अग्रवाल विशिष्ट योग विशिष्ट राज्य प्रभारी, गणेश तिवारी राज्य प्रभारी किसान सेवा समिति, छविराम साहू ,राम शर्मा, गीतांजलि पटनायक, राकेश दुबे, अखिलेश्वरी जगदीश महामल्ला, विश्राम यादव, विजय लाहोटी, पुखराज जैन, वीरेंद्र वर्मा, सत्यभामा शर्मा, कमलेश शर्मा, सावित्री ,पुष्पा,मीना ,शालिनी सरोज,शीला, सुनिता,उमा, अशोक शर्मा ,आशीष शर्मा ,होमेंड्रा साहू ,ज्योति साहू ,रविकांत कुंभकार, निर्मला बेहार प्रहलाद दमाहे, श्याम पितोड़ा,गिरधारी , विक्की, पवन ,पारस ,हीरालाल सुनीता ,उमेश ,ऋषिकेश ,सोनकर जी, राजू कोचर आदि लगभग 300 साधकों ने भाग लिया।

ध्वनि प्रदूषण के नियमों के उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाई

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश से जिले में ध्वनि प्रदूषण जांच दल का गठन किया गया है। यह दल अपने-अपने थाना क्षेत्रों में ध्वनि प्रदूषण के नियमों-प्रावधान का पालन कराना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही उल्लंघन होने पर कार्यवाही भी करेंगे।आदेश के अनुसार जांच दल क्रमांक 01 में एसडीएम श्री देवेन्द्र पटेल (थाना-गोलबाजार एवं रायपुर नगर निगम सीमा को छोडकर शेष रायपुर अनुभाग, कार्यपालिक दण्डाधिकारी श्री राजकुमार साहू, थाना प्रभारी, गोलबाजार, नगर पालिक निगम संबंधित जोन कमिश्नर, रसायनज्ञ श्री अभय कुमार मिश्रा,, छ.ग. पर्या.सं.म., रायपुर शामिल हैं। दल क्रमांक 02 में श्री एसडीएम (नगर) आशुतोष देवांगन (थाना-टिकरापारा, राजेन्द्र नगर, डी.डी.नगर, पुरानीबस्ती, गंज, मौदहापारा) कार्यपालिक दण्डाधिकारी श्री जयेन्द्र सिंह, थाना प्रभारी टिकरापारा, राजेन्द्र नगर, डी.डी. नगर, पुरानीबस्ती, गंज, मौदहापारा, संबंधित जोन कमिश्नर, उप अभियंता, छ.ग.पर्या.सं.म.,श्री एस.के. चौधरी शामिल हैं।

16 जनवरी को 300 से अधिक पदो के लिए जॉब फेयर

रायपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, रायपुर द्वारा स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 16 जनवरी को रोजगार कार्यालय, पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर, रायपुर में सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक जॉब फेयर आयोजित है। इस जॉब फेयर के माध्यम से निजी क्षेत्र के नियोजक ग्लेर एग्रो प्रायवेट लिमिटेड, फ्यूसॅन माइक्रोफायनेंस लिमिटेड एवं मेक्स सर्विस, रायपुर द्वारा सेल्स रिप्रसेंटेटिव, सेल्स कॉर्डीनेटर, आर.ओ., ए.आर.ओ., ए.बी.एम., ए.एम, डिजिटल मार्केटिंग, टैली कॉलर, डायरेक्ट सेल्स, पर्चेस, कस्टमर सर्विस, नेटवर्क असिस्टेंट, कॉर्डीनेटर, फिल्ड वर्कर, ट्रेफिक एनालिस्ट, हैवी एवं लाईट वाहन चालक, के 300 से अधिक पदों पर भर्ती होगी। इसके लिए योग्यता 10वीं से स्नातक, बी.एस.सी. एवं एम.बी.ए. आदि है। शैक्षणिक योग्यताधारी अनुभवी, गैर अनुभवी योग्य आवेदकों की भर्ती 10 हजार 20 हजार रूपये प्रतिमाह के वेतनमान पर की जाएगी।

निंबलक-विलद के बीच दोहरी रेल लाइन कार्य से पुणे-हावड़ा ट्रेन प्रभावित

रायपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा अधोसंरचना विकास के कार्यों को शीघ्र पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी संदर्भ में अधोसंरचना विकास हेतु मध्य रेलवे सोलापुर रेल मंडल के अंतर्गत निंबलक ङ्कविलद के बीच दोहरी रेल लाइन को कनेक्टिविटी एवं विद्युतीकृत कार्य के लिए नॉन इंटर लोकिंग का कार्य का कार्य किया जाएगा। यह कार्य 22 जनवरी को किया जाएगा। इसके फलस्वरूप इस सेक्शन में चलने वाली कुछ गाडियो का परिचालन प्रभावित रहेगा।

13 जनवरी को पुणे से चलने वाली 12221 पुणे-हावड़ा दुरन्तो एक्सप्रेस 01 घंटे देरी से रवाना होगी।14 जनवरी को पुणे से चलने वाली 22845 पुणे-हटिया एक्सप्रेस 04 घंटे देरी से रवाना होगी। 15 जनवरी को पुणे से चलने वाली 12221 पुणे-हावड़ा दुरन्तो एक्सप्रेस 01 घंटे 30 मिनिट देरी से रवाना होगी। 20 जनवरी को पुणे से चलने वाली 12221 पुणे-हावड़ा दुरन्तो एक्सप्रेस 01 घंटे 30 मिनिट देरी से रवाना होगी।

कलेक्टर ने धरसींवा विकासखंड के स्कूल, आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य केन्द्र का किया निरीक्षण

अनुपस्थित सहायक शिक्षिकाओं का कटेगा एक दिन का वेतन

रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने आज जिले के धरसींवा विकासखंड में स्कूल, आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य केन्द्र, धान उपार्जन केन्द्र और शासकीय उचित मूल्य की दुकान का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूलों और आंगनबाडी में साफ-सफाई रखने, गुणवत्ता पूर्ण भोजन प्रदान करने और अनुपस्थित कर्मचारियों को शोकॉज नोटिस जारी करने का निर्देश दिए।

कलेक्टर सबसे पहले ग्राम धनेली के प्राथमिक शाला और मिडिल स्कूल पहुंचे। वहां उन्होंने कक्षाओं और खेल मैदान पर फैली गंदगी देखकर नाराजगी जाहिर की। साथ ही शिक्षिकाओं की उपस्थिति की जानकारी ली। मौके पर शिक्षिका बिना किसी अवकाश आवेदन के अनुपस्थित पाए गए। उन्होंने नियमानुसार अवकाश की स्वीकृति भी नहीं ली थी। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को इनके एक दिन के वेतन की कटौती करने और इन्हें शोकॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्कूल में मध्यान्ह भोजन के रसोई घर का भी निरीक्षण किया और बच्चों को भोजन में प्रोटीनयुक्त पदार्थ और हरी सब्जी शामिल करने निर्देश दिए। इसी परिसर में मिडिल स्कूल की कक्षाओं में अध्ययनरत बच्चों से बातचीत कर सामान्य ज्ञान के प्रश्न पूछे। उस समय बच्चे हिन्दी विषय की पढ़ाई कर रहे थे, जिसमें लक्ष्य नामक पाठ पढाया जा रहा था। जिस पर कलेक्टर ने बच्चों से पूछा की उनका लक्ष्य क्या है। बच्चों द्वारा उत्तर दिया जाने पर प्रसन्न होकर कहा कि मन लगाकर पढ़ो और हमेशा अद्यतन रहो।

मुख्यमंत्री की पहल से तीन स्कूलों में दूर हुई शिक्षकों की कमी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल से जशपुर जिले के तीन स्कूलों में शिक्षकों की कमी से लंबे समय से परेशान बच्चों और उनके अभिभावकों को बड़ी राहत मिली है। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद जिले के इन तीन स्कूलों में पढ़ाई व्यवस्था सुचारू बनाएं रखने के लिए शिक्षकों की त्वरित नियुक्ति कर दी गई है। अभिभावकों ने इस संवेदनशीलता के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताया है।

जशपुर जिले के बगीचा ब्लॉक

के रायकेरा गांव के हाईस्कूल में भूगोल, अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत, विज्ञान और गणित विषय के शिक्षकों की कमी थी। स्कूल के छात्रों के अभिभावकों ने समस्या से बगिया स्थित सीएम निवास को अवगत कराते हुए बताया था कि शिक्षकों के ना होने से बच्चों की पढ़ाई पर बुरा असर पड़ रहा है। अभिभावकों का कहना था कि माध्यमिक शिक्षा मंडल ने बोर्ड परीक्षाओं की समय-सारणी घोषित कर दी है। ऐसे में शिक्षकों के ना होने से बच्चों का भविष्य बिगड़ने की आशंका बनी हुई है। यह जानकारी जब मुख्यमंत्री श्री साय को मिली तो उन्होंने अभिभावकों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए जशपुर कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल को रायकेरा स्कूल में शिक्षक की कमी दूर करने के निर्देश दिए।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.